राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,15 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–50 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

देश की पहली वंदे भारत की यात्रा होगी आरामदायक मिलेंगी ये खास सुविधाएं

नई दिल्ली । नई दिल्ली से वाराणसी के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत ट्रेन की यात्रा आने वाले दिनों में और भी आरामदायक होगी। इसके लिए नया रेक लगाने का फैसला किया गया है। इसकी सीट आरामदायक होगी। अभी इसकी सीट एक स्थान पर स्थिर रहती है। इसे आगे पीछे नहीं किया जा सकता है। इससे यात्रियों को थकान महसूस होती है। नई ट्रेन में यह कमी दूर कर दी गई है। यात्री अपनी सुविधा के अनुसार सीट को आगे पीछे कर सकता है। उल्लेखनीय है कि देश में पहली वंदे भारत एक्सप्रेस 15 फरवरी 2019 को शुरू हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से इस स्वदेश निर्मित और देश की सबसे तेज गति से चलने वाली ट्रेन को रवाना किया था। यह सप्ताह में पांच दिन चलती है।

बढ़ सकती हैं दिल्ली सरकार की मुश्किलें

नई दिल्ली । फीडबैक यूनिट एफबीयू मामले में दिल्ली सरकार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। एलजी कार्यालय ने पूर्व सांसद संदीप दीक्षित और दो पूर्व मंत्रियों के पत्र को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव को भेज दिया है। खुफिया जानकारियां इकट्ठा करने के लिए एफबीयू के गठन पर सवाल उठने के बाद पूर्व सांसद सहित दो पूर्व मंत्री मंगत राम सिंघल और किरण वालिया ने एलजी को पत्र लिखकर एनआईए या सीबीआई से जांच करवाने की मांग की थी। इसे भ्रष्टाचार से अलग मानते हुए देशविरोधी गतिविधियां में संलिप्तता का आरोप लगाते हुए दिल्ली सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों के खिलाफ राजद्रोह की कार्रवाई की मांग की गई थी। इस मामले में आम आदमी पार्टी ने भी एलजी कांग्रेस और भाजपा पर निशाना साधते हुए कई सवाल उठाए हैं। आप ने निशाना साधते हुए कहा है कि यह देखना बहुत दिलचस्प है कि जब दिल्ली सरकार बीजेपी से जुड़े किसी मामले की एलजी से शिकायत या संदर्भ लेती है तो वह उस पर कभी कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। लेकिन कांग्रेस नेताओं की एक शिकायत पर बीजेपी के एलजी ने तुरंत एक्शन लिया है। इससे पता चलता है कि कैसे भाजपा और कांग्रेस पीठ पीछे एक समान हैं। कांग्रेस और बीजेपी एक है।

जम्मू-कश्मीर में जी-20 समिट की बैठक, आईएसआई ने बनाया आंतकी हमले का प्लान

जम्मू । भारत को इस साल की जी-20 समिट की अध्यक्षता मिली है। इस लेकर देश के प्रमुख शहरों में बैठकें हो रही हैं। जहां बैठकें होने वाली है, वहां तमाम तरह की तैयारियां की जा रही है। लेकिन इस बीच खबर है कि आईएसआई की नापाक निगाहें भी इस बैठक पर है। खुफिया रिपोर्ट के हवाले से खबर है कि जी-20 समिट के तहत जम्मू-कश्मीर में होने वाली इवेंट आईएसआई के निशाने पर है। पाकिस्तानी आईएसआई ने आतंकी संगठन लश्कर, हिजबुल और जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स को ज्यादा से ज्यादा आतंकी हमलों को अंजाम देने का फरमान सुनाया है। आतंकी हमलों के कैसे अंजाम देना है, इसके लिए आईएसआई ने इस्लामाबाद में आतंकियों के साथ बैठक भी की है। इस्लामाबाद में आईएसआई के ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी ने तीनों आतंकी संगठनों के कमांडरों से मुलाकात की है। इस्लामाबाद में जी-20 समिट के तहत जम्मू-कश्मीर में होने वाले इवेंट पर आतंकी हमले को अंजाम देने का प्लान बना है। मुलाकात के दौरान आईएसआई का ब्रिगेडियर रैंक का अधिकारी सज्जाद अमीन ने जी-20 के जम्मू-कश्मीर में होने वाले आयोजनों को टारगेट करने का आदेश दिया है। इस खबर के बाद से खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारी से लेकर सेना और पुलिस अलर्ट मोड पर हैं। गौरतलब है कि भारत की जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद से ही पड़ोसी देश और उसकी एजेंसी परेशान है।

महाराष्ट्र की सत्ता पर बेईमान और चोर बैठे, शिवसेना उनके खिलाफ कोर्ट गई : राउत

मुंबई । महाराष्ट्र में सियासी राजनीति बवाल कई महीनों से जारी है। सियासी राजनीति खींचतान के बीच उद्धव गुट ने नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शिंदे गुट को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की सत्ता पर बेईमान और चोर बैठे हैं, उनके खिलाफ शिवसेना कोर्ट में गई है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है। राउत ने भरोसा जताया है कि जिस तरह से सुनवाई चल रही है उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न हाथ से जाने के बाद महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को सोमवार को एक और बड़ा झटका लगा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के वरिष्ठ नेता सुभाष देसाई के बेटे भूषण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। ठाकरे के प्रमुख सहयोगी देसाई ने इस घटनाक्रम को चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि उनके बेटे के कदम से पार्टी और ठाकरे परिवार के प्रति उनकी वफादारी में कोई बदलाव नहीं आएगा।

राजस्थान का युवा पूरे देश में किसी मामले में पीछे नहीं, छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोले गहलोत

(एजेंसी)

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि सरकार चाहती है कि राजस्थान का युवा पूरे देश में किसी मामले में पीछे नहीं रहे, उसी ढंग की सुविधाएं यहां बन रही हैं। जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर में विधि महाविद्यालय छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा,''हम चाहते है कि प्रदेश का युवा अपना योगदान मानव संसाधन के रूप में प्रदेश और देश के लिये दे सके। उन्होंने युवाओं से कहा कि बचपन में की गई सामाजिक सेवा पूंजी के रूप में साथ चलेगी और इस बात को युवाओं को अपनी जेहन में रखना चाहिए कि जब कभी भी सेवा करने का मौका मिले तो आगे आकर सेवा का काम हाथ में लेना चाहिए.. उससे आपका खुद का व्यक्तित्व और कृतित्व में सुधार होगा और कामयाब होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने 500 करोड़ रुपये का युवा कल्याण कोष बनाया है और युवा नीति बनाई जा रही है।

हर जिले में मेडिकल कॉलेज बन रहे

उन्होने कहा कि देश में राजस्थान वह राज्य है जहां हर जिले में मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। उनके अनुसार 30 जिले में काम चल रहा था और अभी बजट में तीन जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा सरकार ने कर दी है। उन्होंने कहा कि अब राजस्थान शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र मे पूरे देश में आज कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, यहां पर मेडिकल का भी हब बनता जा रहा है। उन्होंने कहा,'' हमारी योजनाओं की चर्चा पूरे देश में हो रही है।

डेढ लाख नौकरियां लग चुकी है

उन्होंने कहा कि बार पेपर लीक होने से सरकार की बदनामी भी होती है, लेकिन ऐसा

करने वालों को कड़ी सजा दिलाने के लिये सरकार ने कानून बना दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान वह राज्य है जिसने पेपर लीक करने वालों को जेल तक भेजा है और जयपुर में उनके भवन ध्वस्त कर दिये। उन्होंने कहा , ''राजस्थान में करीब तीन साढ़े तीन लाख नौकरियां हम लगा रहे है.. डेढ लाख लग चुकी है एक लाख प्रक्रियाधीन है और एक लाख की अभी और घोषणा की है।

केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा झटका, 18 माह का महंगाई भत्ता नहीं मिलेगा

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, केंद्र ने लोकसभा में बताया कि कोरोना के दौरान केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का रोका गया 18 माह का महंगाई भत्ता उन्हें नहीं दिया जाएगा। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लिखित में जवाब देकर कहा कि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की तीन किस्तों का बकाया दिए जाने की कोई योजना नहीं है। चौधरी ने कहा कि केंद्र के विभिन्न कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के संघों ने 18 महीने के डीए और डीआर जारी करने के बारे में सरकार को कई आवेदन दिए थे।

मोदी सरकार ने कोरोना काल में केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ता और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत पर रोक लगा दी गई थी। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने कहा कि 1 जनवरी 2020, 1 जुलाई 2020 और 1 जनवरी 2021 को जारी महंगाई भत्ते को रोकने का फैसला कोरोना महामारी से पैदा हुए आर्थिक व्यवधान के चलते लिया गया था, जिससे सरकार पर वित्तीय बोझ को कम किया जा सके। सरकार ने इसके द्वारा 34,402.32 करोड़ रुपये की धनराशि बचाई थी।

मंत्री के मुताबिक, महामारी काल में सरकार को कल्याणकारी योजनाओं के लिए काफी धन का प्रावधान करना पड़ा था। इसका असर 2020-21 और उसके बाद भी देखा गया है।

इससे साफ है कि करोड़ों सरकारी कर्मचारियों को इस खबर से जोर का झटका लगा है और उनकी एरियर मिलने की उम्मीद पर पानी फिर गया है। कर्मचारी लंबे समय से अपने बकाया डीए राशि का इंतजार कर रहे हैं और सरकार से इस पर जल्द फैसला लेने की मांग कर रहे थे।

एच3एन2 वायरस के कहर से चिंतित डॉक्टर, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में असर

पुणे ।

महाराष्ट्र के पुणे में एच3एन2 वायरस को लेकर बच्चों की बढ़ती संख्या पर डॉक्टरों ने चिंता जाहिर की है। इसमें खासकर पांच साल से कम उम्र के बच्चों की गिनती ज्यादा ही है। जो कि संक्रमण के बाद इलाज के लिए अस्पताल आ रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि इन मरीजों पर विशेष रूप से एंटीबायोटिक दवाओं का खास असर नहीं हो रहा। इस साल जनवरी से पुणे में कुल 2,529 नमूनों की जांच की गई। जिसमें कि 428 (करीब 17 फीसदी) पॉजिटिव आए हैं। वहीं फरवरी के दूसरे पखवाड़े की बात करें तब इन्फ्लुएंजा ए वायरस में सबसे ज्यादा संख्या एच3एन2 इंफेक्शन को लेकर दर्ज की गई। एनआईवी की वैज्ञानिक डॉ. वर्षा पोतदार ने कहा कि नमूने पुणे जिले में गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम के लक्षणों वाले अस्पताल में भर्ती मरीजों के थे।

हम शिशुओं और स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा प्रभावित होते हुए देख रहे हैं। उनमें से कुछ को लिवर और ब्लड प्रेशर संबंधित समस्या भी थी। इसके बाद उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट, इनवेसिव या नॉन-इनवेसिव की जरूरत होती है। इनमें से ज्यादातर पांच साल से कम उम्र के बच्चे होते हैं। आम तौर पर बच्चों में सांस फूलने, खांसी और बुखार की शिकायतें आती हैं। एच3एन 2 के अलावा निमोनिया जैसे लक्षण भी स्थायी होते हैं। हम एडेनोवायरस के कारण आईसीयू में दाखिले देख रहे हैं। इसकी पुष्टि करते हुए दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के इंटेंसिविस्ट डॉ. भरत पुरंदरे ने कहा, न केवल एच3एन2 मामलों में वृद्धि हुई है, बल्कि कोविड-19 और एच1एन1 रोगियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। जिसके चलते सभी प्रकार की सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं।

जहां आईसीएमआर निगरानी के अनुसार करीब 92 फीसदी बुखार के साथ, 86 फीसदी खांसी के साथ, 27 फीसदी सांस फूलने के साथ, 16 फीसदी घबराहट के साथ आते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इसके अलावा 16 फीसदी मरीजों में निमोनिया के नैदानिक लक्षण थे।

डरा रहा एच3एन2 वायरस हरियाणा कर्नाटक के बाद अब गुजरात में पहली मौत

नई दिल्ली । देश में इस समय इन्फ्लूएंजा (फ्लू) का एच3एन2 वायरस काफी तेजी से फैल रहा है। इस वायरस से अब देश में तीसरी मौत की खबर आ रही है। यह मौत गुजरात के वडोदरा में हुई है। 58 वर्षीय महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। डॉक्टरों के मुताबिक महिला को पहले से भी कई बीमारियां थीं। वह हाइपरटेंशन की मरीज थी और वेंटीलेटर पर थी। इस वायरस से हरियाणा और कर्नाटक में दो मरीजों की पहले ही मौत हो चुकी है। दिल्ली से लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में इन्फ्लूएंजा के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। डॉक्टरों के मुताबिक एच3एन2 इन्फ्लूएंजा ए का ही एक सब टाइप है जो इस बार काफी सक्रिय हो गया है। इस वायरस से ग्रसित मरीजों में वैसे तो लक्षण सर्दी-जुकाम के ही दिखते हैं लेकिन वायरस धीरे-धीरेमरीज के फेफड़ों तक पहुंच जाता है। मरीज को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। डॉक्टर बताते हैं कि इस वायरस से 5 साल से छोटे बच्चे गर्भवती महिलाएं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा खतरा होता है क्योंकि इनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। अगर इस वायरस से ग्रसित मरीजों को समय पर इलाज न मिले तो उसकी जान भी जा सकती है। डॉक्टर की माने तो इस मामले में बिलकुल भी लापरवाही न करें। मरीज को तत्काल अस्पताल लेकर आएं. डॉ. अरुण शाह के मुताबिक एच3एन2 वायरस से बचाव में फ्लू की वैक्सीन सबसे ज्यादा कारगर है। यह वैक्सीन शरीर में एंटीबॉडी बनाती है।

2 बार भारत आ सकते हैं पुतिन इंटरनेशनल सम्मेलन की तारीख बदली

नई दिल्ली । भारत में होनेवाले जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मौजूद रहने की संभावना बन गई है। रूस ने व्लादिवोस्तक में होने वाले ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम के सम्मेलन की तारीख में परिवर्तन कर दिया है। अब यह सम्मेलन 9-10 सितंबर के स्थान पर 12 से 15 सितंबर को होगा। रूस ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम की तारीख मैं परिवर्तन किया गया है। भारत में 9-10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन होने वाला है। इससे भारत में पुतिन के आने की संभावना बन गई है। व्लादिमीर पुतिन भारत में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पर,यूक्रेन युद्ध के बाद पुतिन और पश्चिमी देशों के नेताओं का आमना-सामना होना तय है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने 2021 में इटली और 2022 में इंडोनेशिया के जी-20 शिखर सम्मलेनों में भाग नहीं लिया था। रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत की अध्यक्षता में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मलेन में भी हिस्सा लेने के आसार हैं। इस संबंध में जब क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। अभी इस संबंध में कोई फैसला नहीं किया गया है। यूक्रेन की जंग को लेकर पश्चिमी शक्तियों के साथ रूस के बढ़ते टकराव और इस मुद्दे पर भारत की कूटनीतिक पहल के बीच यह बैठक महत्वपूर्ण होगी।

लोको पायलट सुरेखा यादव वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन करने वाली पहली महिला बनी

मुंबई । एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव के नाम एक और उपलब्धि जुड़ी है, क्योंकि वह हाल में शुरू हुई सेमी-हाई स्पीड 'वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन करने वाली पहली महिला बन गई हैं। मध्य रेलवे ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने सोमवार को सोलापुर स्टेशन और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के बीच इस सेमी-हाई स्पीड ट्रेन का संचालन किया। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेन 13 मार्च को निर्धारित समय पर सोलापुर स्टेशन से रवाना हुई और आगमन के निर्धारित समय से पांच मिनट पहले सीएसएमटी स्टेशन पहुंची। विज्ञप्ति में कहा गया है, कि 450 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने पर सुरेखा यादव को सीएसएमटी स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या आठ पर सम्मानित किया गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया 'वंदे भारत' नारी शक्ति द्वारा संचालित। पहली महिला लोको पायलट श्रीमती सुरेखा यादव ने 'वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन किया। मध्य रेलवे ने कहा, ''वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली महिला लोको पायलट बनकर यादव ने मध्य रेलवे के इतिहास में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्र में सतारा निवासी यादव 1988 में भारत की पहली महिला ट्रेन ड्राइवर बनी थीं। उन्होंने अपनी उपलब्धियों के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अब तक कई पुरस्कार जीते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार वेदप्रताप वैदिक का निधन, 78 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली । वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वेदप्रताप वैदिक अब इस दुनिया में नहीं रहे। वह करीब 78 साल के थे। वह बाथरूम में मृत पाये गये। सुबह करीब साढ़े नौ बजे परिवार के लोगों ने दरवाजा तोड़ा, तब वे अंदर बेसुध मिले। इसके बाद उन्हें घर के पास ही स्थित प्रतीक्षा अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उनका चैकअप कर बताया कि उनका निधन कई घण्टे पूर्व हो चुका है। खबर मिलने के बाद इंदौर से करीबी रिश्तेदार दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं! डॉ. वैदिक पत्रकारिता ने राजनीतिक चिंतन, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, और हिंदी के लिये लंबे समय तक काम किया। डॉक्टर वैदिक का जन्म 30 दिसंबर 1944 को मध्यप्रदेश के इंदौर में हुआ था। अंतरराष्ट्रीय मामलों में जानकार होने के साथ ही उनकी रुसी, फारसी, जर्मन और संस्कृत भाषा पर अच्छी खासी पकड़ रही। डॉ. वैदिक ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज' से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वे भारत के ऐसे पहले विद्वान हैं, जिन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शोध-ग्रंथ हिंदी में लिखा। उन्होंने अपनी पीएचडी के शोधकार्य के दौरान न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मॉस्को के 'इंस्तीतूते नरोदोव आजी', लंदन के 'स्कूल ऑफ ओरियंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज' और अफगानिस्तान के काबुल विश्वविद्यालय में अध्ययन और शोध किया। डॉ. वैदिक ने पत्रकारिता के क्षेत्र में नई दुनिया से केरियर शुरू किया। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के सामाचार पत्रों में संपादक के पद पर रहे। वर्ष 1998 से वह ईएमएस न्यूज एजेंसी (एक्सप्रेस मीडिया सर्विस) में नियमित रूप से विभिन्न विषयों पर अपने लेख देते रहे हैं। जो भारत के सैकड़ों

समाचार पत्र में नियमित प्रकाशित होते थे। डॉ. राममनोहर लोहिया, मधु लिमये, आचार्य कृपालानी, इंदिरा गांधी, गुरू गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, चंद्रशेखर, हिरेन मुखर्जी, हेम बरूआ, भागवत झा आजाद, प्रकाशवीर शास्त्री, किशन पटनायक, डॉ. जाकिर हुसैन, रामधारी सिंह दिनकर, डॉ. धर्मवीर भारती, डॉ. हरिवंशराय बच्चन, प्रो. सिद्धेश्वर प्रसाद जैसे लोगों ने वैदिकजी का डटकर समर्थन किया।

भोपाल गैस त्रासदी मामले में केंद्र को बड़ा झटका, अधिक मुआवजे की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने 1984 भोपाल गैस त्रासदी पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। केंद्र सरकार ने याचिका में भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए यूनियन कार्बाईड की उत्तराधिकारी कंपनियों से 7844 करोड़ रुपये अतिरिक्त मुआवजे दिलाने के लिए याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अदालत को दिए गए केंद्र सरकार के वचन के अनुसार पीड़ितों के लिए बीमा पॉलिसी तैयार नही करने पर केंद्र सरकार को लताड़ लगाई।

सुप्रीम कोर्ट ने 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए यूनियन कार्बाइड कंपनी की उत्तराधिकारी कंपनियों से 7400 करोड़ रुपये के अतिरिक्त मुआवजे की मांग की क्यूरेटिव पिटीशन मंगलवार को खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि याचिका कानून के तहत चलने योग्य नहीं है। इस मामले के तथ्यों में कोई दम नहीं है।

दो दशक बाद याचिका?

जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संविधान पीठ ने कहा कि समझौते के 2 दशक बाद केंद्र द्वारा इस याचिका को लाने का कोई औचित्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए रिजर्व बैंक के पास जमा 50 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग सरकार लंबित दावों को पूरा करने के लिए करे। पीठ ने कहा,दो दशक बाद इस मुद्दे को उठाने के लिए कोई तर्क प्रस्तुत नहीं करने के लिए केंद्र की याचिका से असंतुष्ट हैं। जस्टिस संजीव खन्ना, अभय एस ओका, विक्रम नाथ और जेके महेश्वर की बेंच ने भी 12 जनवरी को केंद्र की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। केंद्र सरकार ने याचिका के माध्यम से 7,844 करोड़ रुपये की मांग की थी। केंद्र सरकार 1989 में समझौते के तहत अमेरिकी कंपनी से

अतिरिक्त उत्तराधिकारी कंपनियों से 7,844 करोड़ रुपये और दिलाने की मांग की थी। उल्लेखनीय है 1984 की मध्यरात्रि को यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के रिसाव में 3,000 से अधिक लोग मारे गए थे। भोपाल के करीब 1।02 लाख अधिक लोग इस गैस से प्रभावित हुए थे। 1989 में हुए समझौते के तहत यूनियन कार्बाइड ने मुआवजा राशि सरकार को दे दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शी की ताजपोशी

ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिये शी जिनपिंग को चीन का राष्ट्रपति बनाया गया है। इस तरह वे चीनी गणराज्य के संस्थापक माओत्से तुंग के बाद सबसे लंबी अवधि तक शासन करने वाले नेता बने हैं। उन्होंने आजीवन शासन करने की स्थितियां बना ली हैं। उनकी निरंकुश सत्ता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके मुकाबले कोई अन्य उम्मीदवार नहीं था। उन्हें चीन की संसद और नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के करीब तीन हजार सदस्यों ने चुना। शी को केंद्रीय सैन्य आयोग का भी फिर से अध्यक्ष चुन लिया गया है। वे दुनिया की सबसे बड़ी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के भी अध्यक्ष बने रहेंगे। उल्लेखनीय है कि ताइवान के गर्माए मुद्दे, रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका व पश्चिमी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंधों और भारत के साथ लद्दाख में उत्पन्न गतिरोध की पृष्ठभूमि में शी जिनपिंग ने चीन में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। चिंता की बात यह है कि चीन सैन्य आधुनिकीकरण के प्रयासों को तेज कर रहा है। उसने इस बार फिर रक्षा बजट में 7.2 फीसदी की वृद्धि की है। इसके बावजूद कि पिछले तीन वर्षों में कोरोना संकट रोकने को लगाये गये सख्त प्रतिबंधों के चलते दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था कहे जाने वाले चीन की स्थिति अच्छी नहीं है। चीनी अर्थव्यवस्था उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। ऐसे में आर्थिक पुनरुद्धार व सैन्य महत्वाकांक्षाओं के बीच संतुलन कायम करना शी जिनपिंग के लिये बड़ी चुनौती होगी। बहरहाल, मौजूदा भू-राजनीतिक समीकरणों के मध्य चीन में शी की निरंकुश सत्ता के चलते भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। एलएसी पर जिस तरह बड़े संरचनात्मक निर्माण चीन करता रहा है उससे उसकी नीयत को समझना कठिन नहीं है। हालांकि, भारत ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम संरचनात्मक विकास के लिये उठाये हैं। वहीं हाल ही में अमेरिकी खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन अमेरिकी प्रभाव को कम करने तथा दुनिया में महाशक्ति के रूप में उभरने के लिये अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को विस्तार देता रहेगा। दरअसल, शी की मंशा है कि जब वर्ष 2049 में चीन अपनी स्थापना की शताब्दी मनाये तो वह एक महाशक्ति के रूप में उभरे। वहीं हकीकत है कि भारत की सीमाओं में उत्पन्न गतिरोध को खत्म करने के लिये चीन की तरफ से कोई ऐसी ईमानदार पहल नहीं हुई है, जिससे तनाव दूर करके विश्वास का माहौल बनाया जा सके। ऐसे वक्त में जब शी जिनपिंग चीन में और मजबूत हुए हैं, वे अमेरिका के साथ भारत के गहरे होते रिश्तों के आलोक में प्रतिशोध हेतु कोई उत्तेजक कदम उठा सकते हैं। भारत को अपने सारे विकल्पों को खुला रखना चाहिए। साथ ही सैन्य व कूटनीतिक रूप से अपनी पूरी तैयारी करनी चाहिए। वैसे चीन की बढ़ती सैन्य ताकत से उसके अन्य पड़ोसी देश जापान, ताइवान, वियतनाम आदि भी चिंतित हैं। चीन के थल सेना के बाद नौ सेना को शक्तिशाली बनाने के प्रयासों के बीच जापान ने भी अपने रक्षा बजट में 26 फीसदी वृद्धि की है।

...जब मात्र चार तारीख लगी न्याय प्रदान करने में!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

- विश्व उपभोक्ता दिवस 15 मार्च

अदालतों में तारीख-पे-तारीख के मिथक को तोड़ते हुए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय जोधपुर ने पीड़ित उपभोक्ता को उसके मुकदमा दर्ज कराने की चौथी तारीख पर ही न्याय देकर उपभोक्ता कानून की मूलभावना का सम्मान किया है।जोधपुर जिले के गवाल बेरा, नारवां निवासी गोपाराम और देवाराम ने डिस्कॉम, मंडोर के सहायक अभियंता के विरुद्ध जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि उनकी तरफ से 3 वर्ष पहले आवेदन करने और विभाग द्वारा संपूर्ण राशि जमा करा लेने के बावजूद अभी तक विद्युत कनेक्शन उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है। डिस्कॉम की ओर से अगली तारीख पर जवाब प्रस्तुत कर बताया गया कि परिवादी को दिसंबर, 2019 में ही कनेक्शन के आदेश जारी कर दिए गए थे लेकिन पड़ोस के लोगों की तरफ से बाधा उत्पन्न की गई, जिस वजह से कनेक्शन नहीं किया जा सका। परिवादी ने तर्क दिया कि पुलिस की सहायता से भी कनेक्शन सुचारू जा सकता है।

आयोग के अध्यक्ष डॉ श्याम सुन्दर लाटा, सदस्य डॉ अनुराधा व्यास, आनंद सिंह सोलंकी की बेंच ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद निर्णय में कहा कि विद्युत अधिनियम की धारा 43 के अनुसार उपभोक्ता द्वारा आवेदन करने पर विद्युत कंपनी की तरफ से एक माह के अंदर कनेक्शन दिया जाना आवश्यक है। कनेक्शन के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस सहायता लिए जाने की ड्यूटी विभाग की है, ना कि उपभोक्ता की। आयोग ने कनेक्शन में विलंब के लिए डिस्कॉम को सेवाओं में कमी का दोषी मानते हुए उपभोक्ता को एक माह में कनेक्शन नहीं देने पर 200 रुपए प्रतिदिन हर्जाना अदा करने का आदेश दिया है।इसी प्रकार जिला उपभोक्ता आयोग हरिद्वार ने आई क्यू सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल को चिकित्सा सेवा में लापरवाही के लिए दोषी मानते हुए पीड़ित उपभोक्ता को उपचार खर्च व वाद व्यय के रूप में 27575 रुपये मय 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दिए जाने का फैंसला सुनाया है। विनीत नगर रुड़की निवासी एस पी वत्स ने आंख में तकलीफ होने पर 10 नवंबर सन 2018 को निर्धारित शुल्क अदा करके आई क्यू सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल की चिकित्सक डॉ निमिषा अग्रवाल से चिकित्सीय परीक्षण कराया था और उन्होंने ही उनकी दायीं आंख का कोर्निया ऑपरेशन किया।लेकिन आपरेशन के बाद आंख ठीक होने के बजाए उसमे चुभन रहने लगी और दृष्टि भी पहले से कमजोर हो गई।जिसपर पीड़ित एस पी वत्स ने गाजियाबाद के चिकित्सक डॉ राजेश रंजन को दिखाया तो उन्होंने बताया कि आपरेशन में लापरवाही के कारण आंख में लैंस पीस रह गया है जिससे आंख में इंफेक्शन हुआ।उनके द्वारा आंख से लैस पीस तो निकाल दिया गया लेकिन आंख में हुए इंफैक्शन के कारण आंख पूरी तरह से ठीक नही हो पाई।जिस कारण उन्हें अभी भी अपना उपचार एम्स नई दिल्ली में कराना पड़ रहा है।जिला आयोग ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपने विस्तृत निर्णय आदेश में आईक्यू हॉस्पिटल की चिकित्सक डॉ निमिषा अग्रवाल को चिकित्सा सेवा में लापरवाही के लिए दोषी मानते हुए पीड़ित उपभोक्ता को उक्त उपचार में व्यय हुई राशि अंकन 17575 रुपये मय 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज व अधिवक्ता शुल्क एवं वाद व्यय के रूप में अंकन दस हजार रूपये यानि 27575 रुपये एक माह में अदा करने का आदेश दिया है।इस तरह के अनेक मामलों में उपभोक्ता समयबद्ध न्याय प्राप्त करने में सफल रहे है। बाजारबाद के इस दौर में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए पहली बार उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम,1986 बनाया था। लेकिन बदलते समय और शिकायतों के निवारण में व्याप्त जटिलता के कारण इस अधिनियम को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के द्वारा बदल दिया गया ।नया अधिनियम, अधिक समग्र व कठोर होने के साथ-साथ सरलीकृत विवाद समाधान प्रक्रिया और शिकायतों के ई-फाइलिंग का प्रावधान भी लाया है। अब उपभोक्ता अपनी शिकायत, अपने निकटतम जिला उपभोक्ता आयोग में दर्ज करा सकता है।जबकि पहले शिकायत वही दर्ज हो सकती थी जहां विक्रेता या सेवा प्रदाता का कारोबार, कार्यालय या शाखा कार्यालय होता था।अब जहां उपभोक्ता निवास करता है उसी क्षेत्र के उपभोक्ता न्यायालय में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।जो न्याय के प्रति सुलभता का प्रमाण है।समय के साथ हो रहे कानूनी बदलाव पर गौर करे तो उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम,2020 के अनुसार, डिजिटल मीडिया या इलेक्ट्रॉनिक सेवा प्रदाताओं के माध्यम से ऑनलाइन खरीददारी को भी इस अधिनियम की सीमा में शामिल गया है। साथ ही शिक्षा, मेडिकल एंड हेल्थकेयर, ट्रांसपोर्ट व टेलीकम्युनिकेशन, बैंकिंग सेक्टर, इंश्योरेंस तथा हाउसिंग कंस्ट्रक्शन इत्यादि सेवाओं को उपभोक्ता अधिनियम में शामिल करके उपभोक्ताओं के अधिकारों को अब अधिक व्यापक बनाया गया है। अधिनियम की धारा 2(7) के तहतउपभोक्ता एक ऐसा व्यक्ति है, जो किसी भी सामान या सेवा खरीदता है, जिसका भुगतान किया गया है या वादा किया गया है या आंशिक रूप से भुगतान किया गया है और आंशिक रूप से वादा किया गया है, या आस्थगित भुगतान की किसी भी प्रणाली के तहत ऐसे सामान या सेवाओं के लाभार्थी के अनुमोदन के साथ उपयोगकर्ता भी शामिल है। अधिनियम के तहत, अभिव्यक्ति कोई भी सामान खरीदता है और किसी भी सेवा को किराये पर लेता है या प्राप्त करता है मय इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या टेली-शॉपिंग या डायरेक्ट सेलिंग या मल्टी-लेवल मार्केटिंग के माध्यम से ऑफ़लाइन या ऑनलाइन लेनदेन शामिल हैं,को उपभोक्ता की श्रेणी में माना गया है।वही जहां अधिकार है वहां उपचार भी है। जैसा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम एक उपचारात्मक विधि है इसलिए इस अधिनियम की धारा 2(9) में कुल 6 अधिकारों को यहां उपबंधित किया गया, जिनके उलंघन करने पर उपभोक्ता द्वारा विक्रेता या निर्माता के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जा सकती हैं। इन अधिकारों में जीवन और संपत्ति के लिए खतरनाक वस्तुओं, उत्पादों या सेवाओं के मार्केटिंग से बचाव का अधिकार। गुणवत्ता, मात्रा, शक्ति, शुद्धता, मानक और वस्तुओं, उत्पादों या सेवाओं की कीमत के बारे में सूचित करने का अधिकार, ताकि उपभोक्ता को अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाया जा सके। सुनिश्चित होने का अधिकार कि प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विभिन्न प्रकार की वस्तुओं, उत्पादों या सेवाओं तक उपभोक्ता की पहुंच हो रही है। सुनवाई का अधिकार और यह आश्वासन दिया जाना कि उपयुक्त मंचों पर उपभोक्ता के हितों पर उचित विचार किया जाएगा।अनुचित व्यापार व्यवहार या प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं या उपभोक्ताओं के शोषण के खिलाफ निवारण की मांग करने का अधिकार; तथा उपभोक्ता जागरूकता का अधिकार भी निहित किये गए है। अनुचित व्यापार व्यवहार उपभोक्ता अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत बिक्री के लिए नकली माल का निर्माण या पेशकश करना या सेवा प्रदान करने के लिए भ्रामक प्रथाओं को अपनाना,प्रदान की गई सेवाओं और बेची गई वस्तुओं के लिए उचित कैश मेमो या बिल जारी नहीं करना,दोषपूर्ण वस्तुओं और सेवाओं को वापस लेने से इनकार करना और बिल में निर्धारित समय अवधि के भीतर या बिल में ऐसा कोई प्रावधान नहीं होने पर 30 दिनों के भीतर वस्तु का मूल्य वापस प्रदान करना, उपभोक्ता की व्यक्तिगत जानकारी को किसी अन्य व्यक्ति के सामने प्रकट करना जो प्रचलित विधि के अनुसार न हो,उपभोक्ता ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज करने में सक्षम होगा और धोखाधड़ी वाले व्यापारों को भी रोकने भी सहायक सिद्ध होगा।

यदि उपभोक्ता को किसी निर्माता, सेवा प्रदाता या विक्रेता के द्वारा दिए माल या सेवा से कोई नुकसान उठाना पड़े, तब वह उनके विरुद्ध प्रोडक्ट लायबिलिटी की कार्रवाई कर सकता है। जिसके तहत उत्पाद निर्माता को अधिनियम की धारा 84 में उत्तरदायी ठहराया जाएगा। यदि उत्पाद में विनिर्माण दोष है, डिजाइन में दोषपूर्ण है या वह विनिर्माण विनिर्देशों का पालन नहीं करता है और इसमें उचित उपयोग हेतु पर्याप्त निर्देश नहीं हैं तो कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।उपभोक्तावाद के इस युग में लोगों में किसी भी जरूरी या फिर गैर जरूरी वस्तु को खरीदने की होड़ सी लगी हुई है। शायद इसी का फायदा कुछ विक्रेता और कम्पनियाँ उठा रहे हैं। ये लोग कई बार लोगों को घटिया गुणवत्ता की वस्तुएं बढ़िया गुणवत्ता की बताकर बेच देते हैं या तक कि टूटे हुए उत्पाद बेच देते हैं।वही तय कीमत से अधिक कीमत वसूल लेते हैं और कई बार तो वस्तु की मात्रा भी कम दी जाती है।इस तरह की धौखाधड़ी आये दिन किसी न किसी उपभोक्ता के साथ होती रहती है।उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम,1986 व उसके बाद इस अधिनियम के स्थान पर आए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अनुसार उपभोक्ता से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने रुपये का भुगतान करके या भुगतान करने का वायदा करके कोई सामान या सेवा खरीदी हो।

ऐसा व्यक्ति भी उपभोक्ता है, जिसने खुद तो कोई सामान या सेवा नही खरीदी, लेकिन खरीदार की अनुमति से सामान या सेवा का उपयोग किया है।लेकिन जो व्यक्ति सामान या सेवा को बेचने या व्यापार के उद्देश्य से खरीदता हो वह उपभोक्ता नही माना जाता।अलबत्ता स्व-रोजगार के लिए सामान या सेवा खरीदने वाला व्यक्ति उपभोक्ता की परिधि में आता है।जो शीघ्र,सुलभ व कम खर्च में बेहतर न्याय का एक बड़ा आधार है।(लेखक उपभोक्ता राज्य आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता है)

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

यकीन नही होता ऐसे भी जा सकते है वेद प्रताप वैदिक!

(श्रद्धांजलि) (लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट)

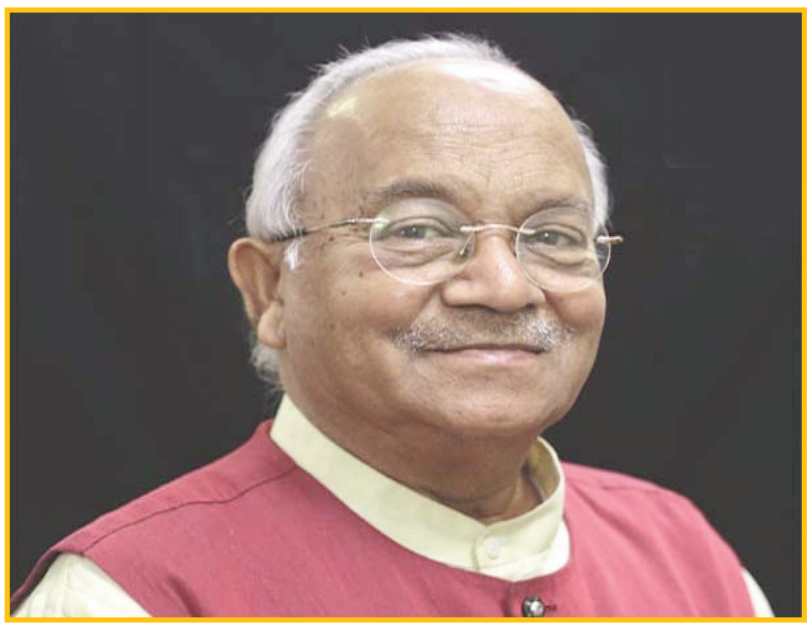

भारतीय पत्रकारिता में वेद प्रताप वैदिक एक ऐसा नाम रहा है जो निष्पक्ष, निर्भीक, बेबाक और पत्रकारिता के मानदंडों पर खरा उतरने का प्रमाण है।कुछ ही दिन पहले प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के एक कार्यक्रम में माउंट आबू गए तो उन्होंने डंके की चोट पर कहा कि आध्यात्मिक क्षेत्र में एक मात्र ब्रह्माकुमारीज ही ऐसी संस्था है जो दुनिया मे सबसे ज्यादा ब्रह्मचर्य का पालन कराती है और लोग अपनी मर्ज़ी से ब्रह्मचर्य का पालन करते है।पूरी तरह से स्वस्थ व जीवनपर्यंत लेखन करते रहे

वरिष्ठ पत्रकार व अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ वेद प्रताप वैदिक का अचानक निधन हो गया है। वे 78 साल के थे। उनका निधन गुरुग्राम में हुआ है। वह नहाते समय बाथरूम में गिर गए थे। इसके बाद उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया की हिंदी समाचार एजेंसी 'भाषा' के संस्थापक-संपादक रहे वेद प्रताप वैदिक पहले नवभारत टाइम्स में संपादक (विचार) पद पर रहने के साथ ही भारतीय भाषा सम्मेलन के अंतिम अध्यक्ष थे। उनके परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री हैं। उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो गया था।वेद प्रताप वैदिक मध्य प्रदेश के इंदौर में 30 दिसबंर, सन 1944 में जन्मे थे। वे कई भाषाओ रूसी, फारसी, जर्मन और संस्कृत के जानकार थे। उन्होंने पीएच.डी. के शोधकार्य के दौरान न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मास्को के इंस्तीतूते नरोदोव आजी, लंदन के स्कूल ऑफ ओरियंटल एंड एफ्रीकन स्टडीज और अफगानिस्तान की काबुल यूनिवर्सिटी में अध्ययन और शोध किया भी था।सन 2014 में आतंकी हाफिज सईद के इंटरव्यू को लेकर वेद प्रताप वैदिक काफी चर्चाओं में आए थे। उन्होंने हाफिज सईद से मुलाकात की थी और यह इंटरव्यू अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक भी किया था। जिस पर काफी विवाद खड़ा हो गया था। उन्होंने भारत लौटने पर कहा था कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान जाते हैं, तो वहां उनका जोरदार स्वागत नहीं होगा। उनके खिलाफ इस मामले को लेकर राजद्रोह का केस भी दर्ज हुआ था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जेएनयू से पीएचडी की थी। वह चार साल तक दिल्ली में राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक रहे। उनकी फिलॉस्फी और राजनीतिशास्त्र में भी काफी दिलचस्पी थी।हाफिज सईद का इंटरव्यू लेने के बाद जब पूरे देश में हंगामा मच गया , तो दो सांसदों ने उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर उनको गिरफ्तार करने की मांग की थी,इस पर वैदिक ने टिप्पणी की थी, और कहा था, दो सांसद ही नहीं पूरे 543 सांसद सर्वकुमति से एक प्रस्ताव पारित करें और मुझे फांसी पर चढ़ा दें। उन्होंने संसद के प्रति अमर्यादित टिप्पणी भी की थी। दिवगंत पत्रकार वेद प्रताप वैदिक बहुत ही योग्य संपादकों व पत्रकारों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने अफगानिस्तान पर शोध करने के अलावा लंदन, मॉस्को समेत 50 से अधिक देशों की यात्रा भी की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, 'वेदप्रताप वैदिक एक प्रखर पत्रकार एवं स्तंभकार थे जो अपनी लेखनी से समसामयिक विषयों पर अपनी बेबाक़ राय रखते थे। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषयों पर भी उनकी गहरी पकड़ थी।उनके निधन से हिन्दी पत्रकारिता में एक रिक्तता आयी है। वैदिक को न्यूयार्क की कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, लंदन ओरिजिनल स्टडी इंस्टीट्यूट, मॉस्को एके डमी ऑफ साइंस और काबुल यूनिवर्सिटी में स्टडी का विशेष मौका मिला था। अंग्रेजी पत्रकारिता के मुकाबले हिन्दी में बेहतर पत्रकारिता का युगारंभ करने वालों में डॉ. वैदिक का नाम अग्रणी कहा जा सकता है। वे सन 1958 में प्रूफ रीडर के तौर पर हिंदी पत्रकारिता में आए थे।पहले सहसम्पादक और फिर सम्पादक (विचार) के पद पर वह 12 साल तक 'नवभारत टाइम्स' में रहे ,लेकिन उनकी पत्रकारिता जीवनभर उनके साथ रही।मेरा सौभाग्य है कि मुझे कई बार उनका साक्षात्कार लेने व उनके भाषण सुनने का अवसर मिला।अपनी स्पष्टवादिता के कारण कई बार वे दूसरों की नाराजगी भी मोल ले लेते थे।यह आदत आखिरी समय तक उनके साथ रही।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

सारी दुनिया में क्रिप्टो करेंसी ने मचाया बवाल

(लेखक - सनत जैन)

आभासी मुद्रा क्रिप्टोकरंसी ने सारी दुनिया के देशों को एक बड़े संकट में डाल दिया है। टेक कंपनियों द्वारा क्रिप्टो करेंसी का जो माया जाल बुना था। उसने विश्व अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने में बहुत बड़ी भूमिका अदा की है। विकासशील देशों एवं दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने इस आभासी मुद्रा के प्रचलन को लेकर जो मौन साधकर रखा, उसके दुष्परिणाम अब सामने दिखने लगे हैं। सिलिकॉन वैली से संचालित क्रिप्टो एक्सचेंज के बंद होने के बाद, क्रिप्टोकरंसी की सट्टेबाजी, वैध और अवैध रूप से मुद्रा का एक स्थान से दूसरे स्थान पर मुद्रा उपलब्ध होने से क्रिप्टो करेन्सी ने पिछले वर्षों में धूम मचाई। क्रिप्टो मुद्रा को शेयर बाजार में डिमांड और सप्लाई से कीमत बढ़ाकर मुनाफा कमाने का साधन बनी। क्रिप्टो करेंसी के लेनदेन के लिए नए-नए बैंक बने। उनके माध्यम से लेनदेन हुआ। क्रिप्टो एक्सचेंज को भारी झटका लगने के बाद अमेरिका का सिल्वर गेट बैंक, सिलिकॉन वैली और सिग्नेचर बैंक बंद हो गया। इनके बंद होने और क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स बंद होने के बाद सारी दुनिया के शेयर बाजारों में भी अस्थिरता बनना शुरू हो गई थी। दुनिया के देशों के सभी बड़े बैंकों ने क्रिप्टोकरंसी का कारोबार नहीं किया। नाही क्रिप्टो करेन्सी को मान्यता दी। अब जब क्रिप्टो करेंसी से जुड़े हुए वित्तीय संस्थान डूब रहे हैं, उस समय कारोबार और बचत से जुड़ी हुई बहुत बड़ी रकम क्रिप्टो एक्सचेंज के माध्यम से निवेशकों की डूब गई है। इसका असर अब शेयर बाजार पर भी पड़ना शुरू हो गया है। इसका असर अन्य बैंकों पर भी निश्चित रूप से पड़ेगा। जिसके कारण सारी दुनिया की वित्तीय व्यवस्था को एक नया संकट पैदा होने लगा है। कर्ज की अर्थव्यवस्था से दुनिया के सारे देश पहले से ही परेशान थे। सारी वित्तीय संस्थाओं को एनपीए जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अब बैंकों को भी अपना अस्तित्व बचाए रखना मुश्किल हो रहा है। इसका असर शेयर बाजार में भी पढ़ रहा है। अब यह स्पष्ट रूप से दिखने लगा है कि सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी और आर्थिक संकट के शिकार होने जा रहे हैं। आर्थिक मंदी के कारण पहले ही बेरोजगारी के संकट से दुनिया के सभी देश जूझ रहे हैं। महंगाई ने लोगों का जीवन दुश्वार कर दिया है। अब वित्तीय संस्थान यदि डूबते हैं, तो इससे पूरी दुनिया में हाहाकार मचना तय है। इतने बड़े संकट को लेकर सारी दुनिया के देश जिस तरह से चुप्पी साध कर बैठे हुए हैं। उससे चिंता होना स्वाभाविक है। अमेरिकी सरकार ने सिल्वर गेट बैंक, सिलिकॉन वैली और सिग्नेचर बैंक के डूबने पर कोई भी आर्थिक पैकेज देने से मना कर दिया है। अमेरिका जैसे देश की आर्थिक स्थिति इस तरह की नहीं है कि वह वित्तीय संस्थानों को कोई मदद दे सके। जिस तेजी के साथ शेयर बाजारों में इसका असर देखने को मिल रहा है। आने वाले कुछ ही दिनों में सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी के शिकार होने के साथ-साथ वित्तीय व्यवस्था के वर्तमान ढांचे को बचा पाना मुश्किल होगा। वित्तीय तंत्र से आम आदमी भी सीधा जुड़ा हुआ है। ऐसी स्थिति में दु निया भर में अराजकता की स्थिति भी बन सकती है। विश्व बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं को इस दिशा में गंभीरता के साथ समय रहते विचार करना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो आर्थिक मंदी, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं से सारी दु निया के देशों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वित्तीय अराजकता तीसरे विश्व युद्ध का कारण भी बन सकता है। इस पर विश्व बैंक एवं अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं को गंभीरता से विचार कर निर्णय लेना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया 12 पैसे टूटकर 82.35 पर

मुंबई । अमेरिकी डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी के चलते रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट के साथ 82.35 के स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 82.27 पर खुला और फिर कुछ बढ़त के साथ 82.24 के स्तर पर आ गया। हालांकि बाद में यह गिरावट दर्ज करते हुए 82.35 पर था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.23 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत बढ़कर 103.86 पर आ गया।

सरसों के दबाव में सोयाबीन के भाव भी लुढ़के

मुंबई । सरसों की कीमतों में लगातार गिरावट का असर सोयाबीन की कीमतों पर भी पड़ रहा है। नई सरसों की आवक के बाद सोयाबीन की कीमतों में नरमी देखी जा रही है। जानकारों के मुताबिक आगे सोयाबीन की कीमतों में और गिरावट आ सकती है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक करीब 20 दिन पहले से सरसों की नई आवक आना शुरू हो गई थी। रिकॉर्ड उत्पादन के कारण सरसों के दाम लगातार गिरकर न्यूनतम समर्थन मूल्य के करीब आ गए हैं। सरसों की कीमतों में भारी गिरावट का असर सोयाबीन की कीमतों में सुस्ती के रूप में दिख रहा है। सरसों की नई आवक के समय इंदौर मंडी में सोयाबीन के दाम 5,700 रुपये क्विंटल थे, जो गिरकर 5,500 रुपए क्विंटल रह गए हैं।

होंडा की 350सीसी बाइक से बुलेट को मिलेगी टक्कर

- होंडा ने 'माई सीबी, माई वे' भी पेश किया

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया कंपनी ने ओबीडी2बी कंप्लेंट 2023 हायनेस सीबी350 और सीबी350आरएस को लॉन्च कर दिया है। 2023 होंडा सीबी350 की कीमत 209,857 रुपये और 2023 होंडा सीबी350 आरएस की कीमत 214,856 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। नई मोटरसाइकिल रेंज मार्च 2023 के अंत तक पूरे भारत में बिगविंग डीलरशिप पर उपलब्ध होगी। इसे जोड़ते हुए, जापानी दोपहिया निर्माता ने सीबी350 ग्राहकों के लिए एक नया कस्टमाइजेशन सेक्शन - 'माई सीबी, माई वे' भी पेश किया है। यह होंडा जेनूइन एक्सेसरीज कस्टम किट मार्च 2023 के अंत तक बिग विंग डीलरशिप पर उपलब्ध होगी। 2023 होंडा सीबी 350 रेंज 350सीसी, एयर-कूल्ड 4 स्ट्रोक ओएससी सिंगल-सिलेंडर ओबीडी2बी कम्प्लायंट इंजन द्वारा संचालित है जो पीजीएम-एफआई तकनीक से लैस है। यह इंजन 30 एनएम @ 3000आरपीएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है। होंडा के इंजीनियरों ने प्राइमरी और सेकेंडरी वाइब्रेशन दोनों को खत्म करने के लिए सिलिंडर पर मेन शाफ्ट कोएक्सियल बैलेंसर लगाया है। बोल्ड लो-पिच ध्वनि उत्पन्न करने के लिए संतुलन को अनुकूलित करने के लिए सीबी350 निकास प्रणाली में 45 मिमी की एक बड़ी टेलपाइप है। डिजिटल डिस्प्ले में 'टी' इंडिकेटर झिलमिलाता है जब सिस्टम व्यस्त होता है। नई होंडा सीबी350 और नई सीबी350आरएस डीएलएक्स प्रो वैरिएंट अब होंडा स्मार्टफोन वॉयस कंट्रोल सिस्टम से लैस हैं। राइडर अपने स्मार्टफोन को एचएसवीसीएस एप्लिकेशन के जरिए ब्लूटूथ के जरिए मोटरसाइकिल से कनेक्ट कर सकता है। यह राइडर को फोन कॉल, नेविगेशन, म्यूजिक प्लेबैक और आने वाले मैसेज सहित कई फीचर्स से लैस है। नई मोटरसाइकिल में होंडा सेलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल है, जो फ्रंट और रियर व्हील स्पीड के बीच अंतर का पता लगाकर रियर व्हील ट्रैक्शन को बनाए रखने में मदद करता है, और स्लिप रेशियो की गणना करता है और फ्यूल इंजेक्शन के माध्यम से इंजन टॉर्क को नियंत्रित करता है। मीटर के बाईं ओर एक स्विच का उपयोग करके एचएसटीसी को चालू/बंद किया जा सकता है।

देश का निर्यात चालू वित्त वर्ष में 750 अरब डॉलर से अधिक होगा: गोयल

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश का वस्तु एवं सेवा निर्यात चालू वित्त वर्ष 2022-23 में 750 अरब डॉलर को पार कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ देशों के साथ रुपए में व्यापार को बढ़ाने को लेकर चर्चा जारी है। गोयल ने कहा कि पिछले साल देश का निर्यात 676 अरब डॉलर के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) साझेदारी शिखर सम्मेलन में कहा कि हम 2022-23 में 750 अरब डॉलर के सामान और सेवाओं के निर्यात के लक्ष्य को पार करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। हम कई देशों के साथ रुपए के व्यापार का विस्तार कर रहे हैं। इनमें से कई मामले में बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान भारत का वस्तु निर्यात बढ़कर 369.25 अरब डॉलर रहा। यह पिछले साल की समान अवधि में 340.28 अरब डॉलर रहा था। वहीं 10 महीने की अवधि के दौरान सेवाओं का निर्यात 272 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

देश में डिजिटल रुपए का चलन बढ़ा: निर्मला सीतारमण

मुंबई । देश में डिजिटल रुपए का चलन बढ़ा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा कि 28 फरवरी तक पायलट बेसिस पर देश में 130 करोड़ की कीमत के ई-रुपए सर्कुलेशन में हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने डिजिटल रुपए को होलसेल सेगमेंट के लिए 1 नवंबर 2022 को जारी किया था, जबकि रिटेल सेगमेंट के लिए 1 दिसंबर 2022 को पेश किया गया था। वित्त मंत्री ने कहा कि नौ बैंकों को ई-रुपया सर्कुलेशन में रखा गया है। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचएसबीसी डिजिटल रुपए होलसेल पायलट प्रोजेक्ट के तहत शामिल हैं। लोकसभा में एक लिखित जवाब में निर्मला सीतारामन ने कहा कि 28 फरवरी 2023 तक रिटेल और होलसेल के लिए डिजिटल रुपी में सर्कुलेशन क्रमशः 4.14 करोड़ रुपए और 126.27 करोड़ रुपए रहा है। आरबीआई ने टी वेंडर, फूट सेलर, स्ट्रीट साइड और साइड वाल वेंडर और छोटी दुकानों पर डिजिटल रुपए का उपयोग कर सकते हैं। इसी तरह इंस्टीट्यूशनल मर्चेंट जैसे पेट्रोल पंप, रिटेल चेन और कई आउटलेट पर भी इसे यूज किया जा सकता है। वित्त मंत्री ने बताया कि करीब 3 महीने के दौरान रिटेल सेगमेंट में 4.14 करोड़ कीमत के डिजिटल रुपी सर्कुलेट हो चुके हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 338 अंक, निफ्टी 111 अंक टूटा

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी, धातु और पीएसयू बैंकों के शेयरों में बिकवाली से आई है। बीएसई के मिडकैप सूचकांक में 0.5 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक में लगभग एक फीसदी की गिरावट रही। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत अच्छी नहीं रही ओर समय के साथ ही ये गिरावट बढ़ती गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 337.66 अंक करीब 0.58 फीसदी नीचे आकर 57,900.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी 111 अंक तकरीबन 0.65 फीसदी नीचे आकर 17,043.30 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से सात शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दिग्गज कंपनियों टाइटन, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। सबसे अधिक लाभ टाइटन के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 0.93 फीसदी तक उछले। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 23 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, विप्रो और कोटक बैंक के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इस दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर करीब 2.92 फीसदी तक नीचे आये। वहीं एशियाई और अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक, जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नीचे आया दूसरी ओर यूरोपीय बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ।

इसी बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.56 फीसदी टूटकर 79.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सिलिकन वैली बैंक के डूबने से अस्थिर हुआ कच्चे तेल का बाजार

नई दिल्ली ।

सिलिकन वैली बैंक के धराशायी होने का असर धीरे-धीरे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। बैंक के डूबने से शेयर बाजारों में हड़कंप मच गया और नए वित्तीय संकट को लेकर चिंता बढ़ गई। मंगलवार को कच्चे तेल का बाजार लड़खड़ा गया और ब्रेंट क्रूड वायदा 9 सेंट गिरकर 80.68 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स 16 सेंट गिरकर 74.64 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जनवरी के बाद से सोमवार को ब्रेंट सबसे निचले स्तर पर आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई दिसंबर के बाद से अपने न्यूनतम स्तर पर ट्रेड कर रहा था। एसवीबी फाइनेंशियल के अचानक बंद होने से अन्य बैंकों के जोखिम के बारे में चिंताएं पैदा हो गईं। पिछले साल अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में तेज बढ़ोतरी के बाद से इस बात की अटकलें तेज हो गई थीं कि इससे बैंकिंग सेक्टर के लिए नई चिंताएं पैदा हो सकती हैं। इससे उन अटकलों को भी बढ़ावा मिला है कि क्या केंद्रीय बैंक अपनी मौद्रिक सख्ती की गति को धीमा कर सकता है? अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को बैंकिंग प्रणाली में विश्वास बढ़ाने के लिए आपातकालीन उपायों की शुरुआत की।

सिलिकॉन वैली बैंक की विफलता के बाद पिछले सप्ताह के अंत में अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी बिकवाली हुई। राज्य नियामकों ने न्यूयॉर्क स्थित सिग्नेचर को बंद कर दिया। डॉलर इंडेक्स, जो छह बड़ी मुद्राओं के मुकाबले ग्रीन बैक की ताकत का अनुमान लगाता है, लगातार तीन दिनों तक गिरने के बाद मंगलवार को बढ़ा। बता दें कि यह सोमवार को लगभग एक महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के कमजोर होने से अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए तेल सस्ता हो जाता है।

सिलिकिन वैली प्रस्ताव आश्वस्त करने वाला, स्टार्टअप को मिलेगी राहत: वैष्णव

मुंबई ।

सिलिकन वैली बैंक (एसवीबी) के जमाकर्ताओं के धन की सुरक्षा के लिए अमेरिकी प्रशासन द्वारा कदम उठाए के बीच सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एसवीबी संबंधी प्रस्ताव आश्वस्त करने वाला है और इससे कई स्टार्टअप को राहत मिलेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने घोषणा की है कि विफल सिलिकन वैली बैंक के जमाकर्ता अपनी धनराशि निकाल सकेंगे। वैष्णव ने कहा कि एसवीबी संबंधी प्रस्ताव आश्वस्त करने वाला है। इससे कई स्टार्टअप को राहत मिलेगी। अमेरिका के बड़े बैंक एसवीबी के दिवालिया होने के बीच देश की बैंकिग प्रणाली में जनता का भरोसा मजबूत बनाए रखने और अमेरिका की अर्थव्यवस्था की रक्षा करने के उद्देश्य से बाइडन प्रशासन ने घोषणा की है कि इस बैंक के जमाकर्ता अपने धन का उपयोग कर सकेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एफडीआईसी) और केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की अनुशंसा मिलने तथा राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ हुए विचार-विमर्श के बाद वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने रविवार को बैंक का समाधान पूरा करने, साथ ही जमाकर्ताओं के हितों की पूरी तरह से रक्षा करने के लिए एफडीआईसी को कदम उठाने की मंजूरी दे दी है।

एप्पल के नए ओएलईडी आईपैड प्रो की कीमत मैकबुक प्रो जितनी होगी

सैन फ्रांसिस्को ।

टेक कंपनी एप्पल के अपकमिंग ओएलईडी आईपैड प्रो की कीमत मैकबुक प्रो जितनी होगी। एप्पल इनसाइडर की रिपोर्ट ने सप्लाई चेन की एक नई रिपोर्ट के हवाले से बताया कि ओएलईडी स्क्रीन वाले टेक जायंट के नए आईपैड प्रो मॉडल, जिनके अगले साल रिलीज होने की उम्मीद है, की कीमत मौजूदा रिलीज की तुलना में 80 प्रतिशत ज्यादा होगी। अफवाह है कि ओएलईडी डिस्प्ले वाले 11 इंच के आईपैड प्रो की कीमत वर्तमान मॉडल की तुलना में 80 प्रतिशत ज्यादा होगी और यह लगभग 1,500 डॉलर से शुरू होगी। दूसरी ओर, 12.9 इंच एडिशन 60 प्रतिशत अधिक महंगा होगा और 1,800 डॉलर से शुरू होगा। इसके अलावा, आईफोन मेकर एलजी डिस्प्ले और सैमसंग डिस्प्ले के साथ मूल्य निर्धारण पर चर्चा कर रहे हैं। इस बीच, पिछले महीने यह बताया गया कि टेक जायंट ने अपने अपकमिंग आईपैड प्रो मॉडल के लिए एलजी डिस्प्ले और सैमसंग से ओएलईडी पैनल का ऑर्डर दिया है, जिसके अगले साल लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारतपे और ग्रोवर के परिवार के बीच नहीं चल रही समझौता वार्ता

- 88.6 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

नई दिल्ली ।

फिनटेक प्लेटफॉर्म भारतपे और कंपनी के पूर्व सीईओ अशनीर ग्रोवर के बीच का विवाद कोर्ट में चल रहा है। 88.6 करोड़ के विवाद मामले में खबर आई कि दोनों के बीच समझौता हो सकता है, लेकिन भारतपे की ओर से अब इस पर सफाई आ गई है। भारतपे ने साफ किया है कि कंपनी और अशनीर ग्रोवर के बीच कोई समझौता वार्ता नहीं चल रही है। आपको बता दें कि भारतपे ने अशनीर ग्रोवर, उनकी पत्नी और उनके परिवार के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में 88.6 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामले में याचिका दायर की थी। ये मामला अब भी तल रहा है। कंपनी ने कहा कि भारतपे और ग्रोवर या उनके परिवार के बीच किसी तरह के समझौते का सुझाव देने वाली रिपोर्ट निराधार और असत्य है। अशनीर ग्रोवर, उनकी पत्नी और परिवार पर दिसंबर 2022 में धोखाधड़ी, धन की हेराफेरी, जालसाजी, दस्तावेज निर्माण और गबन जैसे कई गंभीर आरोप लगाते हुए भारतपे ने मामला दर्ज करवाया था। अब इस मामले में कंपनी ने अपना जवाब दे दिया है। फिनटेक प्लेटफॉर्म भारतपे ने सोमवार को कहा कि कंपनी और उसके पूर्व संस्थापक और प्रबंध निदेशक अशनीर ग्रोवर के बीच कोई समझौता वार्ता नहीं चल रही है। कंपनी ने आईएएनएस को दिए एक बयान में कहा कि भारतपे और मिस्टर ग्रोवर या उनके परिवार के बीच किसी तरह के समझौते का सुझाव देने वाली रिपोर्ट पूरी तरह निराधार और असत्य है। भारतपे ने ग्रोवर और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में दीवानी मुकदमे के माध्यम से कानूनी कार्यवाही शुरू की और दिसंबर 2022 में धोखाधड़ी, धन की हेराफेरी, विश्वास का आपराधिक उल्लंघन, जालसाजी, दस्तावेज निर्माण और गबन के लिए आर्थिक अपराध शाखा के साथ आपराधिक शिकायत की शिकायत की। भारतपे ने कहा, हमें देश की न्यायिक और कानूनी व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पहले ग्रोवर और उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर को कंपनी द्वारा दायर एक मुकदमे पर समन जारी किया था, जिसमें फिनटेक फर्म के खिलाफ मानहानिपूर्ण बयान देने से रोकने की मांग की गई थी, जिसमें दंपति पर धन की हेराफेरी का आरोप लगाया गया था।

रिलायंस को 3 अरब डॉलर का लोन देने के लिए बैंकों की लगी लाइन

- लोन का सिंडिकेशन पूरा करने तीन दर्जन के बैंक हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली ।

हाल ही जब हिंडनबर्ग ने अडानी समूह को लेकर निगेटिव रिपोर्ट जारी की। उसनें भी अडानी के भारी भरकम कर्ज पर सवाल खड़े किए गए। अडानी समूह के कर्ज को लेकर पहले से भी सवाल उठते रहे हैं। हिंडनबर्ग के विवाद के बाद अडानी समूह के कर्ज को लेकर विवाद और बढ़ गया। अडानी समूह ने भी अपने कर्ज को कम करने लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। अडानी समूह ने निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए समय से पहले 2.65 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान कर दिया है। अडानी समूह जहां कर्ज चुका रहा है, वहीं भारत के सबसे अमीर शख्स रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन मुकेश अंबानी का कर्ज बढ़ रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने कैपेक्स और रिलायंस जियो के 5जी कारोबार का विस्तार करने के लिए 3 अरब डॉलर का लोन लेने जा रही है। इस लोन के लिए सिंडिकेशन में 10 से अधिक बैंक शामिल हो सकते हैं। रिलायंस को लोन देने वाले बैंकों के सिंडिकेट में और एशियाई बैंक शामिल हो सकते हैं। ये लोन पिछले पांच सालों में भारत के किसी भी कॉरपोरेट हाउस की ओर से लिए गए लोन की ये सबसे बड़ी डील है। माना जा रहा है कि इसी महीने ये डील पूरी हो सकती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज को मिलने वाले इस लोन का सिंडिकेशन पूरा करने के लिए तीन दर्जन के करीब बैंक शामिल हो सकते हैं। बैंकरों ने कहा कि कम से कम पांच सालों में किसी भी भारतीय कॉरपोरेट की तरफ से ये सिंडिकेटेड टर्म लोन की सबसे बड़ी डील है। रिलायंस को लोन देने के लिए सिंडिकेशन प्रोसेस जारी है, जिसमें 10 और बैंक शामिल हो सकते हैं। बैंक रिलायंस को दिए जाने वाले इस लोन के लिए खुद को शामिल करना चाहते हैं। दरअसल रिलायंस की रेटिंग अच्छी है। कारोबार की अपनी साख है। अनिश्चित समय में रिलायंस जैसी कंपनियों की रेटिंग अच्छी है, जिसके कारण बैंकों को उम्मीद है कि उन्हें अपने लोन पर अच्छा रिटर्न मिलेगा। रिलायंस को लोन देने के लिए सिंडिकेट में पहले सिटी बैंक, बैंक ऑफ अमेरिका, बीएनपी पारिबा, एचएसबीपी, स्टैंडर्ड चार्टर्ड, बैंक ऑफ इंडिया जैसे बड़े बैंक शामिल हुए। बाद में इसमें बार्कलेज, जेपी मॉर्गन, बैंक ऑफ इंडिया और सुमितोमो मित्सुई ट्रस्ट बैंक भी इस लिस्ट में शामिल हुए।

अमेरिका में दो बैंकों के डूबने से दुनियाभर के शेयर बाजार गिरे

नई दिल्ली ।

अमेरिका में दो बैंकों के डूबने से अफरा-तफरी मची हुई है। पहले सिलिकॉन वैली बैंक पर ताला लगा और फिर सिग्नेचर बैंक भी दिवालिया हो गया है। इस बैंक के पास 110 बिलियन डॉलर के एसेट्स हैं। दोनों बैंकों के डूबने का असर पूरी दुनिया पर देखा जा रहा है। दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट है।

साथ ही सोने कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। पिछले शुक्रवार को सोना वैश्विक बाजार में सप्ताह की शुरुआत के बाद से तीन फीसदी चढ़ गया था। 2008 में भी आर्थिक मंदी की शुरुआत अमेरिका के दो वित्तीय संस्थानों के डूबने से हुई थी। तब भी सोने में उछाल आया था। 2008 में मंदी की शुरुआत लीमन ब्रदर्स व वाशिंगटन म्यूचुअल के ढहने के बाद हुई थी।

पहले टेक कंपनियों के भारी संख्या में कर्मचारियों के निकालने और अब दो बैंकों के दिवालिया होने से अमेरिका में मंदी की आशंका बल पकड़ गई है। दो अमेरिकी बैंकों के दिवालिया होने के बाद निवेशक हताश हैं। अमेरिका की इस घटना का असर पूरे वैश्विक आर्थिक सिस्टम पर होगा। इससे दुनिया में अनिश्चितता फैलेगी। जब भी संसार में उथल-पुथल होती है तो सोन की मांग बढ़ जाती है। यही कारण है अब अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम में लगे डेंट की वजह से दुनिया भर के इक्विटी निवेशक घबराए हुए हैं। अचानक सोने में खरीदारी बढ़ गई है।वैश्विक बाजार में सोने में आज भी तेजी है। सोने का हाजिर भाव सोमवार को 0.88 फीसदी चढ़कर 1,892.38 डॉलर प्रति औंस पर जा पहुंचा है। ब्लूमबर्ग डॉलर स्पॉट इंडेक्स में भी गिरावट जारी है। शुक्रवार को यह गिरा था। भारतीय वायदा बाजार में भी आज सोना 894 रुपए प्रति 10 ग्राम चढ़कर 57044 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

अडानी के 10 में से 4 कंपनियों के शेयरों में लोअर सर्किट

अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में भी सात फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को दबाव दिखाई दे रहा है। इसी के साथ अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। अडानी ग्रुप के सभी स्टॉक्स आज गिरावट के साथ लाल निशान पर खुले हैं। अडानी ग्रुप की 10 में से 4 कंपनियों के शेयरों में लोअर सर्किट लगा हुआ है। पिछले सप्ताह से अडानी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। अडानी ग्रुप के सभी स्टॉक्स ने जोरदार कमबैक किया था। शेयरों में तेजी के साथ अडानी की नेटवर्थ में भी इजाफा हुआ था। इसी के चलते गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। एक समय वो टॉप 30 से भी बाहर हो गए थे। पिछले एक सप्ताह से अपर सर्किट पर चल रहे अडानी पॉवर के शेयर में आज लोअर सर्किट लगा है। यह शेयर सुबह 217.35 रुपए के स्तर पर खुला था। इसके बाद यह पांच फीसदी गिरावट के साथ 204.35 रुपए के स्तर पर पहुंच गया। अडानी टोटल गैस के शेयरों में भी भारी गिरावट देखने को मिल रही है। यह शेयर 947.20 रुपए के स्तर पर खुला था। इसके बाद शेयर में पांच फीसदी की गिरावट देखने को मिली। यह शेयर 947.20 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड के शेयरों में भी लोअर सर्किट लगा हुआ है। यह शेयर पांच फीसदी गिरावट के साथ 902.20 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। एनडीटीवी के शेयरों में भी गिरावट देखी जा रही है। यह शेयर पांच फीसदी की गिरावट के साथ 211.10 रुपए पर कारोबार कर रहे हैं। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में भी गिरावट देखी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय टीम ने जर्मनी को 6-3 से हराया

राउरकेला । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में विश्व चैम्पियन जर्मनी को 6-3 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया है। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम के 17 अंक हो गये हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं स्पेन के भी 17 अंक हैं पर बेहतर गोल अंतर के कारण भारतीय टीम शीर्ष पर बनी हुई है। जर्मनी की ओर से टॉम ग्रैमबुश ने तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर एक गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं भारतीय टीम ने 21वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह के एक गोल से बराबरी हासिल कर ली। इसके बाद अभिषेक ने 22वें जबकि सेलवम कार्ति ने 24वें और 26वें मिनट में दो गोल किये। एक अन्य गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने (26वें मिनट) ने किया। इस प्रकार भारतीय टीम ने बढ़त हासिल कर ली। जर्मनी की ओर से गोंजालो पेइलाट ने 23वें मिनट और माल्टे हेलविग ने 31वें मिनट में गोल कर वापसी का प्रयास किया लेकिन अभिषेक ने 51वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर भारतीय टीम को अजेय बढ़त दिला दी। इसके बाद जर्मन टीम ने कई प्रयास किये पर भारतीय रक्षापंक्ति ने उन्हें विफल कर दिया।

प्रणय ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंचे

बर्मिंघम ।(एजेंसी)

भारत के एचएस प्रणय ने मंगलवार को यहां कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे के जू वेई वैंग को सीधे गेम में हराकर ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। दुनिया के नौवें नंबर के भारतीय खिलाड़ी प्रणय ने वैंग को पहले दौर के मुकाबले में 49 मिनट में 21-19 22-20 से हराया। इस जीत के साथ वैंग के खिलाफ प्रणय का जीत-हार का रिकॉर्ड 5-3 हो गया। केरल के 30 साल के प्रणय अगले दौर में इंडोनेशिया के तीसरे वरीय एंथोनी सिनिसुका गिनटिंग और थाईलैंड के केंटाफोन वेंगचारोन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। प्रणय अच्छी लय में दिखे। उन्होंने अच्छी शुरुआत की और लगातार पांच अंक के साथ पहले गेम में ब्रेक तक 11-4 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि इसके बाद कुछ शॉट बाहर और नेट पर मारे जिससे वैंग ने स्कोर 11-14 कर दिया। प्रणय ने लगातार चार अंक के साथ स्कोर 18-12 किया लेकिन वैंग ने भारतीय खिलाड़ी की कमजोरी का फायदा उठाकर स्कोर 16-19 किया। प्रणय ने इसके बाद लगातार दो शॉट बाहर मारे जिससे स्कोर 19-19 हो गया। प्रणय ने क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ गेम प्वाइंट हासिल और फिर एक और स्मैश के साथ पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में शुरुआत से ही कड़ा मुकाबला देखने को मिला। वैंग ने 7-2 की बढ़त बनाई। प्रणय ने हालांकि जोरदार वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त बना ली। दोनों खिलाड़ी इसके बाद 16-16 के स्कोर पर बराबर थे।

प्रणय ने दो अच्छे रिटर्न के साथ स्कोर 19-17 किया लेकिन इसके बाद वैंग को वापसी करने और स्कोर 19-19 से बराबर करने का मौका दे दिया। वैंग ने बाहर शॉट मारकर प्रणय को मैच प्वाइंट दिया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए। प्रणय ने हालांकि धैर्य बरकरार रखा और वैंग के नेट पर शॉट मारने के साथ मैच जीत लिया।

गारिन, नॉरी व ज्वेरेव बीएनपी परिबास ओपन के अगले दौर में पहुंचे

इंडियन वेल्स । (एजेंसी)

चिली के क्वालीफायर क्रिश्चियन गारिन, जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव व ब्रिटेन के कैमरून नॉरी जीत के साथ ही बीएनपी परिबास ओपन टेनिस के अगले दौर में पहुंच गये हैं। गारिन ने नॉर्वे के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कैस्पर रुड को एक कड़े मुकाबले में 6-4, 7-6 (2) से हराकर बड़ा उलटफेर किया है। 97 वीं रैंकिंग वाले गारिन ने मैच में 39 विनर्स लगाये जबकि रुड 15 विनर्स ही लगा पाये। यह मैच करीब 2 घंटे तक चला। गारिन की रुड के खिलाफ चार मैचों में यह तीसरी जीत रही। गारिन को अब प्री-क्वार्टर फाइनल में 13वीं वरीयता प्राप्त करेन खचानोव या 23वीं वरीयता प्राप्त एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना में से किसी एक का सामना करना होगा। वहीं एक अन्य मैच में कैमरून नॉरी ने पहले सेट में 0-3 से पीछे होने के बाद अच्छी वापसी करते हुए टारो डेनियल को 6-7 (5), 7-5, 6-2 से हराया। नॉरी का मुकाबला अब आंद्रे रुबलेव और उगो हम्बर्ट के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। एक अन्य मैच में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फिनलैंड के एमिल रुसुवुओरी को 7-5, 1-6, 7-5 से हराया। अगले दौर में उनका मुकाबला 5वीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव या इल्या इवाश्का में से किसी एक से होगा। वहीं महिला वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की जेसिका पेगुला ने एक सेट से पिछड़ने के बाद 26वीं वरीयता प्राप्त अनास्तासिया पोटापोवा को 3-6, 6-4, 7-5 से हरा दिया। एक अन्य मैच में मारिया सककारी ने 27वीं रैंकिंग की खिलाड़ी अनहेलिना कैलिना को 3-6, 6-2, 6-4 से हराया। अब इस खिलाड़ी का मुकाबला अंतिम 16 में करोलिना प्लिस्कोवा या वेरोनिका कुदेरमेटोवा से होगा।

मनिका सिंगापुर स्मैश में महिला और मिश्रित युगल में हारी, भारतीय चुनौती समाप्त

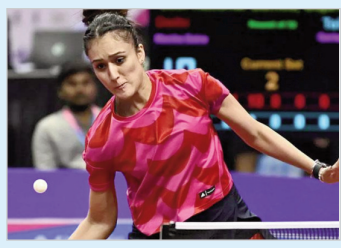

सिंगापुर । मनिका बत्रा की महिला और मिश्रित युगल दोनों मुकाबलों में हार के साथ मंगलवार को यहां सिंगापुर स्मैश टेबल टेनिस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। मनिका और जी साथियान को हिना हयाता और टोमोकाजु हारिमोतो की जापान की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता जोड़ी के खिलाफ मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। मनिका और साथियान की छठी वरीय जोड़ी को चौथी वरीय विरोधी जोड़ी के खिलाफ अंतिम आठ के मुकाबले में 52 मिनट में 2-3 (9-11 9-11 11-8 11-5 7-11) से हार झेलनी पड़ी। मनिका और साथियान ने जियान झेंग और च्यु झी यू क्लेरेंस की सिंगापुर की जोड़ी को प्री क्वार्टर फाइनल में 3-1 (11-7, 12-10, 9-11, 11-3) से हराया था। भारतीय जोड़ी को मिश्रित युगल के पहले दौर में बाई मिली थी। महिला युगल में मनिका और अर्चना कामत को मेंग चेन और यिदी वैंग की चीन की जोड़ी के खिलाफ 42 मिनट चले अंतिम 16 के कड़े मुकाबले में 2-3 (2-11 6-11 15-13 12-10 6-11) से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले मनिका, साथियान और शरत कमल को अपने एकल मुकाबलों में पहले दौर में ही शिकस्त झेलनी पड़ी। पुरुष युगल में हरमीत देसाई और मानव ठक्कर की जोड़ी भी पहले दौर में हारकर बाहर हो गई।

लवलीना को आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीत की उम्मीद

नई दिल्ली ।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को उम्मीद है कि वह अधिक वजन वर्ग में खेलने के बाद भी 15 मार्च से शुरू होने वाली आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीत हासिल करेगी। बोरगोहेन इसी के साथ ही इस भ्रांति को भी तोड़ना चाहती है कि वह अधिक वजन वर्ग के बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक नहीं जीत सकतीं। लवलीना महिला विश्व चैम्पियनशिप के 75 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा लेंगी जबकि पिछली दो विश्व चैम्पियनशिप में उन्होंने 69 किग्रा वजन वर्ग में कांस्य पदक जीता था और 2020 टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था। जिससे लगने लगा था कि यह मुक्केबाज अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं कर पा रहीं। वहीं लवलीना ने इससे इंकार किया और कहा कि उनकी प्रतिबद्धता हमेशा रिंग में अपना सौ फीसदी देने की होती है। लवलीना ने ओलंपिक में भी इसी वजन वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया था। इस टूर्नामेंट में भारत की शीर्ष महिला मुक्केबाज निकहत जरीन का ध्यान भी अपना स्वर्ण पदक बनाये रखने पर होगा। इसके साथ ही लवलीना भी शीर्ष स्थान हासिल नहीं कर पाने की भ्रांति को समाप्त करना चाहेंगी। इस मुक्केबाज ने साल 2018 और 2019 महिला विश्व चैम्पियनशिप दोनों में तीसरा स्थान हासिल किया था और फिर 2020 टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था। जिससे लगने लगा था कि यह मुक्केबाज अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं कर पा रहीं। वहीं लवलीना ने इससे इंकार किया और कहा कि उनकी प्रतिबद्धता हमेशा रिंग में अपना सौ फीसदी देने की होती है। लवलीना ने

अपने सभी तीनों कांस्य पदक 69 किग्रा में जीते हैं हालांक वह आगामी चैम्पियनशिप में 75 किग्रा में हिस्सा लेंगी। उन्होंने कहा, ''हां, यह स्वर्ण पदक नहीं जीतना मेरे दिमाग में भी चल रहा है, लेकिन मैं इस बार पदक का रंग बदलने के लिये बेकरार हूं। मेरा प्रयास हमेशा स्वर्ण पदक के लिये खेलने का है और इस बार भी कुछ अलग नहीं होगा। तैयारियां अच्छी चल रही हैं और मैं उम्मीद करती हूं कि मैं घरेलू धरती पर इस भ्रांति को तोड़ सकती हूं। उन्होंने साथ ही कहा कि मौजूदा विश्व चैम्पियन निकहत जरीन के साथ उसी टीम का हिस्सा होने से उन पर अच्छा प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक जीतने का कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

लायन को खेलना रहा मुश्किलः शुभमन

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने माना है कि सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लायन के खिलाफ रन बनाना बेहद कठिन रहा। शुभमन ने कहा कि बल्लेबाजों ने इस सीरीज में लायन पर दबाव बनाने के प्रयास किये थे पर सफलता नहीं मिली। लायन चार मैचों में 19 विकेट के साथ इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने इंदौर में तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से सबसे ज्यादा नौ विकेट लिए थे। उन्होंने नई दिल्ली में हुए दूसरे टेस्ट में पांच लिए थे हालांकि इस मैच में वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये थे। उन्होंने कहा, (लायन) हमेशा अपनी छाप छोड़ते हैं। वह आपके धैर्य की बहुत परीक्षा लेते हैं। खासकर जब मैं तीसरे दिन उनके खिलाफ बल्लेबाजी कर रहा था तो पहला सत्र काफी चुनौतीपूर्ण था। वह केवल अपने क्षेत्र में गेंदबाजी करते हैं। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, वो लगातार ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी करते हैं और बल्लेबाज को ज्यादा अवसर नहीं देते हैं। वह हाफ वॉली या शॉर्ट गेंद नहीं फेंकते। एक बल्लेबाज के रूप में उनके खिलाफ रन बनाना काफी कठिन है। वहीं लायन ने कहा कि यह दौरा उनके और ऑस्ट्रेलिया के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। यह एक कठिन चुनौती रही है। हम जानते थे कि यह कठिन होने वाला है हालांकि यह लाभदायक रहा है इससे उनकी टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। कई ऐसे क्षेत्र पता चले हैं, जहां उनकी टीम को सुधार करना है। लायन ने युवा टॉड मर्फी और मैथ्यू कुहनमैन के प्रदर्शन की भी तारीफ की।

स्मिथ ही रहेंगे एकदिवसीय सीरीज में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान

मैक्सवेल और वार्नर की वापसी, रिचर्डसन की जगह खेलेंगे एलिस

मुम्बई ।

अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में उतरेगी। नियमित कप्तान पैट कमिंस के स्वदेश लौटने के बाद स्मिथ ने तीसरे और चौथे टेस्ट में भी टीम की कप्तानी की थी। वहीं अब कमिंस अपनी मां के निधन के कारण ऑस्ट्रेलिया में अपने घर पर ही हैं, ऐसे में स्मिथ को टीम का कप्तान बनाये रखा गया है।

टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा, कमिंस अभी स्वदेश में ही रहेंगे , वह अभी अपने घर को देख रहे हैं। हमारी संवेदनाएं पैट और उनके परिवार के साथ हैं। कमिंस को 15-सदस्यीय टीम में नहीं बदला गया है। साथ ही कहा कि झे रिचर्डसन के चोटिल होने के कारण नाथन एलिस को भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है।

मैकडॉनल्ड ने साथ ही कहा कि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर कोहनी में फ्रैक्चर के कारण पिछले दो टेस्ट से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वहीं टेस्ट सीरीज के बीच में ही घर भेजे गये एश्टन एगर भी भारत लौट आए हैं। एकदिवसीय सीरीज के लिए ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की भी वापसी हुई है। इसके अलावा मिशेल मार्श भी टीम में वापस आ गये हैं। तीन मैचों की सीरीज का पहला एकदिवसीय मैच 17 मार्च को खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया टीम इस प्रकार है : स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स केरी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मारनस लाबुशाने, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर और एडम जम्पा।

महिला प्रीमियर लीगः आरसीबी की हार से निराश हैं मंधाना के प्रशंसक

मुंबई ।(एजेंसी)

महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम को मिली लगातार पांचवीं हार से उसके प्रशंसक निराश हैं। अब तक के सभी मैचों में आरसीबी की टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है जबकि उसके पास कप्तान स्मृति मंधाना के साथ ही कई स्टार खिलाड़ी हैं। मंधाना भी अब तक इस टूर्नामेंट में विफल रही हैं। आरसीबी की टीम का वही हाल होता नजर आ रहा है जो आईपीएल में विराट कोहली की की कप्तानी वाली आरसीबी का हुआ था। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में आरसीबी की टीम एक बार फिर विफल रही हालांकि उसकी ओर से ऑलराउंडर एलिस पेरी ने शानदार पारी खेली। इस मैच में ऑलराउंडर एलिस पेरी ने 52 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाये पर वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पायीं। पेरी ने अपनी आक्रामक पारी में चार फोर और पांच छक्के लगाए। वहीं पेरी के अलावा ऋचा घोष ने भी केवल 16 गेंदों में 37 रन बनाये पर बाकि खिलाड़ी असफल रहीं। आरसीबी की टीम ने पेरी और ऋचा की पारियों से अंतिम छह ओवरों में 82 रन बनाये। आरसीबी की टीम ने कुल मिलाकर 150 रन बनाये। इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 151 रनों का लक्ष्य मिला। दिल्ली ने एलिस कैप के 38, जेमिमा रोड्रिग्स के 32 और मारिजान केप के नाबाद 32 और जेस जॉनसन के नाबाद 29 रनों की पारी से ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। इससे पहले दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग ने टॉस जीतकर आरसीबी को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। आरसीबी की शुरुआत एक बार फिर खराब रही। कप्तान स्मृति मंधाना 8 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। टीम ने पावरप्ले में एक विकेट पर 29 रन बनाये। आरसीबी की बल्लेबाज दिल्ली के तेज गेंदबाजों और स्पिन मिश्रित आक्रमण के सामने बेबस नजर आयी।

नाटु-नाटु पर डांस करने का गावस्कर का वीडियो आया

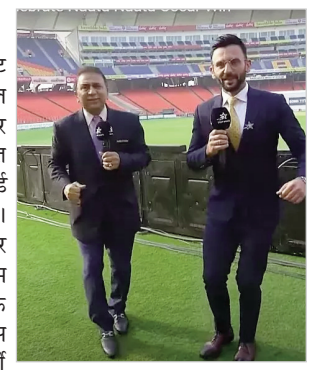

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी आआआर फिल्म के सुपरहिट गीत नाटु-नाटु को ऑस्कर अवार्ड मिलने पर जश्न मनाया। गावस्कर ने इस अवसर पर नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम पर इस गाने का आइकॉनिक डांस स्टेप भी किया था। इस दौरान गावस्कर की फूर्ती देखने लायक थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कमेंट्री कर रहे गावस्कर ने पांचवें दिन खेल शुरू होने से पहले नाटु-नाटु पर डांस करके अपने प्रशंसकों को खुश किया। गावस्कर का डांस वीडियो प्रशंसकों के बीच जमकर वायरल हुआ है। इसके अलावा प्रसारणकर्ता चैनल के मेजबान जतिन सप्रू और उनके साथी ने स्टूडियो में नाटु-नाटु गाने के सिग्नेचर स्टेप भी कापी किये। यह वीडियो भी प्रशंसकों को काफी पसंद आया है।अंतिम टेस्ट ड्रॉ रहने से भारतीय टीम ने यह सिरीज 2-1 से जीती है। भारतीय टीम ने इस सीरीज के पहले दो मैच जीते थे जबकि ऑस्ट्रेलिया ने तीसरा मैच जीता। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में मुकाबला होगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल इंग्लैंड के द ओवल मैदान में 7 जून से खेला जाएगा।

अपने आउट होने के तरीके से निराश हैं जेमिमा

मुम्बई । महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्लयूपीएल) में अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली उपकप्तान जेमिमा रोड्रिग्स अपने आउट होने के तरीके से निराश हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आसानी से हरा दिया। इस मैच में स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली आरसीबी महिला टीम को लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। जेमिमा लक्ष्य का पीछा करते हुए एक अहम मोड़ पर पेवेलियन लौट गयीं। जेमिमा ने मैच के बाद कहा कि मैं इसे समाप्त करना चाहती थी। रोड्रिग्स ने कहा, मैं इसे खत्म करना चाहती थी, मैं जिस तरह से आउट हुई उससे निराश थी पर जिस तरह हम जीते उससे मुझे खुशी हुई। लीग चरण में इस तरह के मैच से हमें फाइनल की तैयारी में भी सहायता मिलती है। इस मैच में जोनासेन ने खेल को समाप्त करने के लिए एक छक्का और एक चौका लगाया जिससे आरसीबी को टूर्नामेंट की पहली जीत हासिल करने में सहायता मिली। वहीं शिखा पांडे ने गेंदबाजी करते हुए एक आसान सा कैच छोड़ दिया।

पेरी का अर्धशतक बेकार गया, आरसीबी की लगातार पांचवीं हार

मुंबई ।(एजेंसी)

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम का महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) में हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में आरसीबी को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। यह टीम की लगातार पांचवीं हार है, इस मैच में ऑलराउंडर एलिस पेरी ने 52 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाये पर वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पायीं। पेरी ने अपनी आक्रामक पारी में चार फोर और पांच छक्के लगाए। वहीं पेरी के अलावा ऋचा घोष ने भी केवल 16 गेंदों में 37 रन बनाये पर बाकि खिलाड़ी असफल रहीं। आरसीबी की टीम ने पेरी और ऋचा की पारियों से अंतिम छह ओवरों में 82 रन बनाये। आरसीबी की टीम ने कुल मिलाकर 150 रन बनाये। इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 151 रनों का लक्ष्य मिला। दिल्ली ने एलिस कैप के 38, जेमिमा रोड्रिग्स के 32 और मारिजान केप के नाबाद 32 और जेस जॉनसन के नाबाद 29 रनों की पारी से ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

इससे पहले दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग ने टॉस जीतकर आरसीबी को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। आरसीबी की शुरुआत एक बार फिर खराब रही। कप्तान स्मृति मंधाना 8 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट

गयीं। टीम ने पावरप्ले में एक विकेट पर 29 रन बनाये। आरसीबी की बल्लेबाज दिल्ली के तेज गेंदबाजों और स्पिन मिश्रित आक्रमण के सामने बेबस नजर आयी।

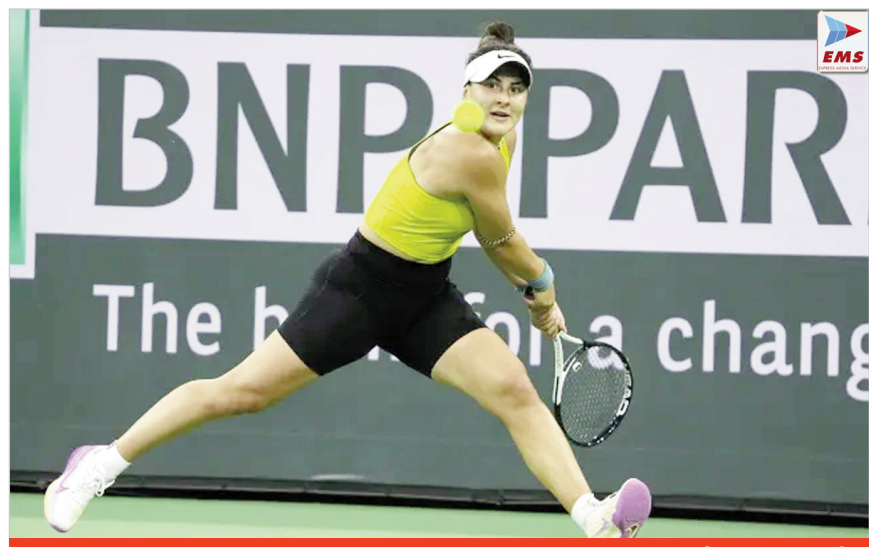

इंडियन वेल्स में कनाडा की बियांका एंड्रीक्यू बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में रिटर्न शॉट खेलती हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

इंग्लैंड में वेतन बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर 61 हजार जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर

लंदन । इंग्लैंड में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह बिगड़ गई हैं, जिसकी वजह है वहां देशभर में जूनियर डॉक्टरों का हड़ताल पर चले गए है। यहां नेशनल हेल्थ स्कीम के साथ काम कर रहे 61 हजार के करीब जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। उनका कहना है कि उन्हें कम वेतन मिल रहा है, वहीं कामकाजी परिस्थितियां भी बेहद खराब हैं। इस हड़ताल की वजह से देश में अस्पताल संचालन बुरी तरह प्रभावित हो गए हैं। जूनियर डॉक्टरों के काम बंद करने के बाद हजारों आउट पेशेंट अपॉइंटमेंट पहले ही रद्द कर दिए गए हैं और सर्जिकल प्रक्रियाएं यानि ऑपरेशन भी स्थगित कर दिए हैं। जूनियर डॉक्टरों ने वेतन में 26 प्रतिशत वृद्धि की मांग को लेकर सोमवार सुबह से 72 घंटे की हड़ताल शुरू की। वहीं स्वास्थ्य सचिव स्टीव बार्कले ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया, लेकिन ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन और हॉस्पिटल कंसल्टेंट्स एंड स्पेशलिस्ट एसोसिएशन (एचसीएसए) हड़ताल से पीछे नहीं हट रहे हैं। डॉक्टरों की अलग-अलग यूनियनों ने कहा कि सरकार वर्ष 2022-23 के लिए एकमुश्त भुगतान और अगले साल अनिर्दिष्ट वृद्धि पर चर्चा तब करना चाहती है, लेकिन 26 प्रतिशत वेतन वृद्धि पर सहमत नहीं हुई है। जूनियर डॉक्टरों ने आपातकालीन सेवाओं, क्रिटिकल केयर और मैटरनिटी वार्ड में काम करने से भी मना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एनएचएस अधिकारियों ने कहा कि वे वरिष्ठ डॉक्टरों को तैनात करने और लोगों को आपातकाल के मामले में 999 डायल करने की सलाह दी गई है।

अमेरिका में 2021 में घृणा अपराध के मामले बढ़े : एफबीआई

वाशिंगटन। अमेरिका में 2021 में घृणा अपराध के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अमेरिका में न्याय विभाग की एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने यह जानकारी दी गई। संघीय जांच एजेंसी द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस तरह के मामलों में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि पिछली अधूरी रिपोर्ट में मामलों में कमी आने की बात कही गई थी। हालांकि रिपोर्ट में न्यूयॉर्क और लॉस एंजिलिस सहित देश के कुछ सबसे बड़े शहरों के आंकड़े नहीं हैं। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी-सैन बर्नार्डिनो में 'सेंटर ऑफ द स्टडी ऑफ हेट एंड एम्प' के निदेशक ब्रायन लेविन ने बताया कि घृणा के आधार पर होने वाले अपराध दशकों में सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा, ''हम एक ऐसे चिंताजनक दौर में हैं जहां नफरती अपराध के मामले बढ़ रहे हैं.।'' एफबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों में से अधिकतर 64.5 प्रतिशत को नस्ल, उनकी जाति या वंश के कारण निशाना बनाया गया। अन्य 16 प्रतिशत को उनकी लैंगिक पसंद को लेकर और 14 प्रतिशत को धार्मिक पूर्वाग्रह के कारण निशाना बनाया गया। ऐसे अपराधों को सबसे अधिक डरा-धमका और हमला करके अंजाम दिया गया। वहीं नफरत के आधार पर हत्या के 18 मामले सामने आए। वेस्टर्न स्टेट्स सेंटर के चीफ ऑफ स्टाफ जिल गार्वे ने बताया कि धार्मिक मामलों में से आधे में से यहूदी लोगों को निशाना बनाया गया। एफबीआई की सोमवार को जारी रिपोर्ट में ऐसे मामलों के सही तरीके से रिकॉर्ड रखने पर जोर दिया गया।

'आतंकियों के एक्सपोर्टर', अंतर-संसदीय संघ में कश्मीर मुद्दा उठाने पर भारत ने पाकिस्तान को इस अंदाज में दिखाया आईना

भारत ने बहरीन में 146वें अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) में पाकिस्तान को आईना दिखाया है। पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने अपने संबोधन के दौरान एक बार फिर से कश्मीर का राग अलापा। जिस पर पलटवार करते हुए भारत ने राइट टू रिप्लाई (आरओआर) के माध्यम से आईपीयू में पाकिस्तान को आतंकवादियों का निर्यातक करार दिया है। बीजू जनता दल के प्रवक्ता सस्मित पात्रा ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के बारे में अपने बयान में उल्लेख करके एक बार फिर से इस मंच का दुरुपयोग करना चुना है, जो भारत का अभिन्न अंग है। यह उल्लेख पूरी तरह से अस्वीकार्य है।' बीजद), एएनआई द्वारा यह कहते हुए उद्धृत किया गया था।

पाक का कश्मीर पर कोई नियंत्रण नहीं

भारत के इस रुख को दोहराते हुए कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा भारत का अभिन्न अंग रहे हैं और रहेंगे, पात्रा ने कहा, 'किसी भी देश की बयानबाजी और प्रचार की कोई मात्रा इस तथ्य को खत्म नहीं कर सकती है। पाकिस्तान के पास भारत पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। हमने बार-बार इसके अवैध और जबरन कब्जे के तहत भारतीय क्षेत्रों को तत्काल प्रभाव से खाली करने का आह्वान किया है।

उत्तर कोरिया-यूएस की संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

सियोल। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। एक सप्ताह के भीतर उत्तर कोरिया ने दूसरी बार किसी मिसाइल का परीक्षण किया है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेनाओं ने सोमवार से अपना सबसे बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है। उत्तर कोरिया की ओर से यह मिसाइल परीक्षण इस सैन्य अभ्यास के मद्देनजर किया गया है। दक्षिण कोरिया की सेना के प्रमुखों ने कहा है कि ताजा मिसाइल परीक्षण मंगलवार सुबह किया गया था, लेकिन इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी गयी है। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा था कि उसने इस संयुक्त सैन्य अभ्यास के विरोध में पनडुब्बी से प्रक्षेपित क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया की ओर से रविवार को किए गए इस मिसाइल परीक्षण से संकेत मिलता है कि वह 11 दिवसीय अमेरिकी-दक्षिण कोरियाई सैन्य अभ्यास के दौरान लगातार अपने हथियारों के परीक्षण संबंधी गतिविधियों को जारी रखेगा। पिछले हफ्ते, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने सैनिकों को अपने प्रतिद्वंद्वियों की ''युद्ध संबंधी तैयारियों और रणनीतियों'' से निपटने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया था।

ये हैं सबसे ज्यादा हथियार बेचने वाले और खरीदने वाले देश, भारत के मुकाबले कहां खड़ा है पाकिस्तान?

चीनी घुसपैठ की बढ़ती आशंका और पाकिस्तान की नापाक हरकतों को लेकर भारतीय सेना एलएसी और एलओसी पर मुस्तैद है। हालिया वर्षों में रक्षा क्षेत्र में उठाए गए कदमों से भारत का डिफेंस सेक्टर खासा मजबूत हुआ है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के नारे के तहत रक्षा मंत्रालय ने हथियार और सैन्य उपकरणों के आयात में काफी कटौती की है। वहीं अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट का कहना है कि भारत अभी भी 2012 और 2018 के बीच विदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों का शीर्ष आयातक है। स्वीडन स्थित स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2018 और 2022 के बीच भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक था, जो वैश्विक आयात का 11 प्रतिशत था।

भारत रूसी हथियारों के निर्यात का सबसे बड़ा बाजार

ये डेटा इंटरनेशनल आर्म्स ट्रांसफर 2022 रिपोर्ट में SIPRI के रुझानों का हिस्सा है, जिसमें कहा गया है कि भारत 2018 से 2022 तक रूसी हथियारों के निर्यात का सबसे बड़ा बाजार था। भारत को इस अवधि के दौरान रूस द्वारा निर्यात किए गए कुल हथियारों का 31 प्रतिशत प्राप्त हुआ। हालांकि, 2013-17 की अवधि की तुलना में भारत में रूसी हथियारों के निर्यात में 37 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसी समय, 2018 और 2022 के बीच चीन को हथियारों का हस्तांतरण रूसी हथियारों के निर्यात का 23 प्रतिशत था - 2013-17 की अवधि से 37 प्रतिशत की वृद्धि।

हथियारों का तीसरा सबसे बड़े आयातक बना कीव

SIPRI ने पाया कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के परिणामस्वरूप, कीव 2022 में हथियारों के तीसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में उभरा। युद्ध से पहले, यूक्रेन 2018 और 2022 के बीच दुनिया का 14वां सबसे बड़ा हथियार आयातक था।

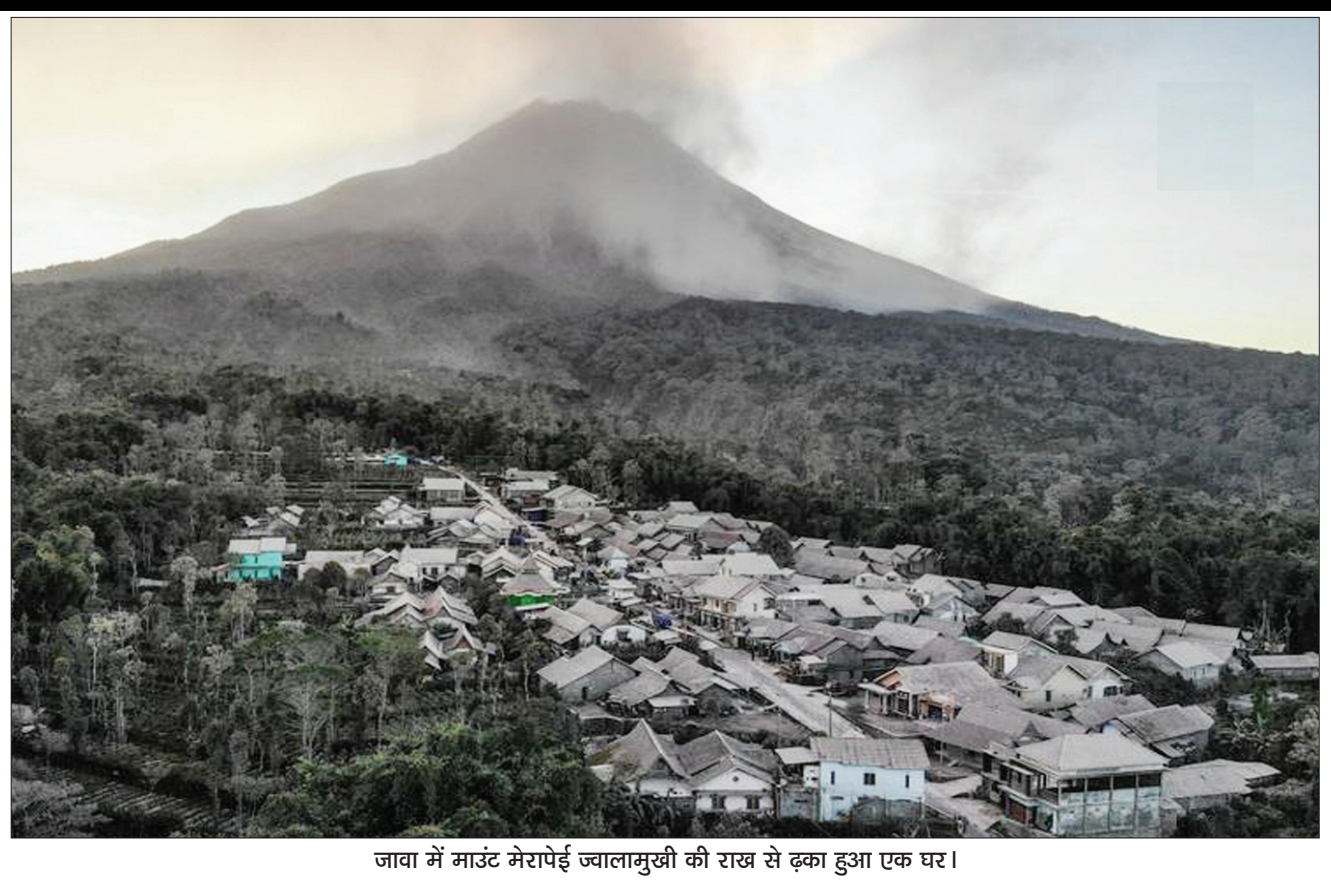

जावा में माउंट मेरापेई ज्वालामुखी की राख से ढ़का हुआ एक घर।

अपना नया शहर बसाने की योजना बना रहे मस्क

वाशिंगटन । दुनिया के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति और टेस्ला के मालिक एलन मस्क अपना एक शहर बसाने की योजना बना रहे। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। मस्क और उनकी कंपनी से जुड़ी संस्थाएं एक ऐसा शहर बसाने के लिए टेक्सास में हजारों एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर रही है, जहां मस्क की कंपनी के कर्मचारी रहने और काम करने वाले हैं। ये संपत्तियां ऑस्टिन के पास कम से कम 3,500 एकड़ में खरीदी गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क स्नेलब्रुक नाम का एक शहर बसाने की प्रक्रिया में हैं। मस्क जहां शहर बसाने वाले हैं, वह इलाका बोरिंग और स्पेस-एक्स के निर्माणाधीन प्लांट के पास ही है। यह जगह टेक्सास में कोलोराडो नदी के किनारे है। यहां मस्क की कंपनियों के कर्मचारी रहने और पास में ही बने संयंत्रों में काम पर जा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक प्लान 100 मकान बनाने का है जहां पूल और खुले खेल का मैदान नजदीक में ही बनाए जाएंगे। मस्क की योजना अपने कर्मचारियों को सस्ते दाम में घर उपलब्ध कराने की है। ऐसा बताया जा रहा है कि मस्क एक और दो बेडरूम वाले घर को शुरुआत में लगभग 65,000 रुपये प्रति माह की कीमत में उपलब्ध कराना चाहते हैं। इसके लिए यह नियम भी है कि अगर कंपनी के कर्मचारी नौकरी छोड़ देते हैं या छंटनी होती है तब उन्हें 30 दिन के अंदर घर खाली करना होगा।

चीन को रोकने की तैयारी, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने बनाया महाप्लान

मॉस्को (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीनी महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए ऑस्ट्रेलिया को 2030 के दशक की शुरुआत से परमाणु-संचालित हमलावर पनडुब्बियां प्रदान करने की योजना का खुलासा किया। सैन डिएगो में अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस और ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक के साथ, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2021 ऑक्स साझेदारी के तहत समझौते को एक स्वतंत्र और खुलेपन के लिए साझा प्रतिबद्धता का हिस्सा बताया।

सुनक ने इस एक शक्तिशाली साझेदारी बताकर कहा कि पहली बार इसका मतलब होगा कि अटलांटिक और प्रशांत क्षेत्र में एक साथ काम करने वाली पनडुब्बियों के तीन बेड़े हमारे महासागरों को आने वाले दशकों तक मुक्त रखने वाले हैं। संयुक्त बयान में कहा गया है कि सौदे के तहत, अमेरिका ऑस्ट्रेलिया को तीन यूएस वर्जीनिया वर्ग की परमाणु-संचालित पनडुब्बियों को बेचने का इरादा रखता है, जो कि 2030 के दशक की शुरुआत में जनरल डायनेमिक्स द्वारा बनाई गई हैं, ऑस्ट्रेलिया के लिए दो

और खरीदने का विकल्प है।

अल्बनीज ने तीन देशों के बीच संबंधों में इसे एक नया अध्याय बताते हुए कहा कि यह एक ऐसी दोस्ती है, जो उनके साझा मूल्यों, लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता तथा शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य के समान दृष्टिकोण पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''हम यहां सैन डिएगो में पुष्टि करते हैं ऑक्स समझौता ऑस्ट्रेलिया की रक्षा क्षमता में सबसे बड़ा एकल निवेश है, हमारे क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा तथा स्थिरता को मजबूत करता है।

सऊदी अरब और ईरान के बीच शांति समझौता, परेशान दिख रहे इजरायली पीएम नेतन्याहू

यरुसलेम (एजेंसी) चीनी राष्ट्रपति के सऊदी अरब और ईरान के बीच शांति समझौते में अहम भूमिका निभाने वाले कदम ने मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) को हिला दिया है। लंबे समय के बाद मध्य पूर्व में शांति समझौता हुआ है। यह न केवल दो आश्चर्यजनक प्रतिभागियों ईरान और सऊदी अरब के बीच है, बल्कि सफल मध्यस्थता ने इस विवादित क्षेत्र में चीन के प्रवेश की शुरुवात है। ईरान और सऊदी अरब एक-दूसरे को कभी फूटी आंख नहीं सुहाते थे। लेकिन अब दूतावास को खोलकर संबंध को बहाल करने की तैयारी में हैं। दोनों देशों के बीच हुए शांति समझौते के बाद सबसे ज्यादा परेशान अगर कोई है, तब वहां इजरायल है। ईरान और सऊदी के बीच हुए समझौते को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

नेतन्याहू की ओर से ईरान को सार्वजनिक तौर पर बड़ा खतरा बताया जाता रहा है। वहां हमेशा से ईरान की राजनयिक प्राथमिकताओं और व्यक्तिगत धर्मयुद्ध के लिए बड़ा खतरा बताते रहे हैं। इस एग्रीमेंट के बाद से ही नेतन्याहू को समझ नहीं आ रहा कि क्या कदम उठाया जाए। साल 2020 में अमेरिका की कोशिश के कारण ही इजरायल को बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल हुई थी। चार अरब देशों के साथ इजरायल ने अब्राहम समझौता किया था। इस समझौते के बाद बहरीन, यूएई, मोरक्को और सूडान ने इजरायल के साथ संबंधो को सामान्य करने पर हामी भरी थी। इस समझौते का मकसद ही ईरान को क्षेत्र में अलग-थलग करना था।

लेकिन अब ऐसा लगा रहा हैं कि नेतन्याहू का दांव उल्टा पड़ गया हैं।

लैंगिक डिजिटल विभाजन लैंगिक असमानता का नया चेहरा बन रहा : गुटेरेस

जिनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी देकर कहा कि लैंगिक डिजिटल विभाजन लैंगिक असमानता का नया चेहरा बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज की डिजिटल तकनीक अक्सर पुरुष-वर्चस्व वाले तकनीकी उद्योग द्वारा डिजाइन किए गए एल्गोरिदम का उपयोग करती है, जो पुरुष-वर्चस्व वाले डेटा पर आधारित है। उन्होंने चेतावनी दी कि तथ्यों को प्रस्तुत करने और पक्षपात को खत्म करने के बजाय, अधूरे डेटा पर आधारित तकनीक और खराब तरीके से डिजाइन किए गए एल्गोरिदम लिंगवाद को डिजिटल बना रहे हैं और बढ़ा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं की स्थिति पर आयोग के 67वें सत्र में नागरिक समाज के साथ टाउनहॉल बैठक में उन्होंने कहा कि पुरुषों के आंकड़ों पर आधारित नीतियां महिलाओं और लड़कियों को और भी पीछे छोड़ देंगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य की दुनिया को आकार देगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के समान इनपुट के बिना यह पुरुषों की दुनिया बनी रहेगी। लैंगिक डिजिटल विभाजन तेजी से लैंगिक असमानता का नया चेहरा बनता जा रहा है। ऑनलाइन स्पेस महिलाओं और लड़कियों के लिए सुरक्षित नहीं हैं। लिंग आधारित हिंसा ऑनलाइन तेजी से बढ़ी है। संगठित अभियान महिला राजनेताओं, पत्रकारों और कार्यकर्ताओं को लक्षित करते हैं। महिलाओं को बदनाम करते हैं और लाखों युवकों और लड़कों को स्त्री द्वेष और मर्दानगी के जहरीले रूप दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ अभियान चलाने वाले समूहों का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गर्मजोशी से स्वागत किया जाता है। उन्होंने कहा रूढ़ियां लड़कियों को विज्ञान, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ने से दूर धकेलती हैं और महिला वैज्ञानिकों के करियर का गला घोंट देती हैं। महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए कम श्रेय दिया जाता है। पुरुषों की तुलना में कम शोध निधि प्राप्त होती है। उद्यम पूंजी निवेश का सिर्फ दो प्रतिशत महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्ट-अप में जाता है, यह बदलना चाहिए। नई तकनीकों का पुरुषवादी वर्चस्व महिलाओं के अधिकारों पर दशकों की प्रगति को नष्ट कर रहा है। लैंगिक समानता शक्ति का प्रश्न है। 100 से अधिक वर्षों के लिए, वह शक्ति धीरे-धीरे अधिक समावेशी होती जा रही थी। प्रौद्योगिकी अब उस प्रवृत्ति को उलट रही है।

दागे गए आंसू गैस के गोले, इमरजेंसी पर सारे अस्पताल, इमरान खान की समर्थकों से अपील- लड़ाई जारी रखें

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद पुलिस पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान को गिरफ्तार करने के लिए उनके लाहौर स्थित आवास पर पहुंच गई है। डॉन ने बताया कि लाहौर के ज़मान पार्क में खान के आवास के बाहर बख्तरबंद गाड़ियाँ तैनात हैं। एक वीडियो संदेश में इमरान खान ने अपने समर्थकों से पाकिस्तान में तानाशाही व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का आग्रह किया। इमरान खान ने एक बार फिर समर्थकों के नाम सोशल मीडिया पर अपील जारी की। उन्होंने कहा कि आपके नेता की जान को खतरा है। हमें एकजुट रहना है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर

कहा- जल्द से जल्द खान साहब के लाहौर में जमान पार्क वाले घर पहुंचें।

पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थक भी उनके आवास के बाहर जमा हैं। झड़पों की खबरें हैं, पुलिस ने उन पर पथराव कर रहे पीटीआई कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। डॉन ने इस्लामाबाद के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) (ऑपरेशंस) शहजाद बुखारी के हवाले से कहा कि इमरान खान की गिरफ्तारी का वारंट बाकी है। कल, इस्लामाबाद की एक जिला और सत्र अदालत ने तोशखाना मामले में सुनवाई से चूकने के बाद फिर से गिरफ्तारी वारंट जारी किया - एक ऐतिहासिक फैसला जिसमें पाकिस्तान के चुनाव पैनल ने उन्हें 5 साल के लिए सार्वजनिक पद संभालने से अयोग्य घोषित कर दिया।

इमरान खान के घर के अंदर भारी मात्रा में आंसू गैस के गोले दागे गए। लाहौर के जमां पार्क इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। इमरान खान का घर इसी इलाके में मौजूद है, जहां भारी संख्या में उनके समर्थक इकट्ठा हैं। वहां पीटीआई चीफ को गिरफ्तार करने आई पुलिस के साथ उनकी भारी झड़प भी हुई, जिसमें पुलिसकर्मियों के साथ-साथ कई लोगों के घायल होने की खबर है। इस कारण से लाहौर के सारे अस्पतालों को इमरजेंसी पर रखा गया है।

अंधेरे में डूबा पाकिस्तान का कराची, 40 फीसदी से ज्यादा हिस्से में बत्ती गुल

कराची के कई क्षेत्रों में तकनीकी खराबी के कारण सोमवार को बिजली गुल हो गई, जिससे हाई टेंशन (॥ञ) ट्रांसमिशन केबल ट्रिप हो गई। एएनआई ने एआरवाई न्यूज के हवाले से बताया कि हाई टेंशन ट्रांसमिशन लाइन के ट्रिप होने के कारण कराची का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह से अंधेरे में डूब गया। प्रभावित क्षेत्रों में नुमाइश चौरंगी, सद्दार, लाइन्स एरिया, डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए), पंजाब कॉलोनी, गुलिस्तान-ए-जौहर, कोरंगी और अन्य शामिल हैं। हालांकि, शहर की बिजली आपूर्ति के लिए जिम्मेदार कंपनी के-इलेक्ट्रिक ने अभी तक स्थिति के संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। यह घटना पहली बार नहीं है जब कराची में बिजली गुल हुई है। जनवरी में, आवृत्ति में उतार-चढ़ाव के कारण राष्ट्रीय ग्रिड में एक गंभीर खराबी के कारण, कराची के नागरिकों को एक विस्तारित अवधि के लिए बिजली के बिना छोड़ दिया गया। फिलहाल, शहर की बिजली आपूर्ति के लिए जिम्मेदार कंपनी के-इलेक्ट्रिक ने कोई अपडेट नहीं दिया है। यह घटना पूरे पाकिस्तान में जनवरी में हुई एक गंभीर बिजली कटौती के बाद हुई, जिसने कराची के नागरिकों को भी बिजली के बिना छोड़ दिया। प्रभावित क्षेत्रों में उत्तरी नजीमाबाद, न्यू कराची, उत्तरी कराची, लियाकताबाद, क्लिफ्टन, कोरंगी, ओरंगी, गुलशन-ए-इकबाल, सद्दार, ओल्ड सिटी एरिया, लांधी, गुलिसन-ए-जौहर, मलीर, गुलशन-ए-हदीद, औद्योगिक क्षेत्र, पाक कॉलोनी, शाह फैसल कॉलोनी, मॉडल कॉलोनी, और अन्य साइट शामिल हैं।

पाकिस्तान के साथ उपनिवेश की तरह व्यवहार कर रहा है आईएमएफ : मरियम नवाज

लाहौर। (एजेंसी)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ नेता मरियम नवाज ने कहा है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के लिए एक ''बंधक'' है और उसके साथ वह एक उपनिवेश की तरह व्यवहार कर रहा है। मरियम नवाज ने वैश्विक ऋणदाता के साथ पिछले समझौतों का उल्लंघन करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आलोचना करते हुए यह बात कही। दरअसल, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है।

देश वाशिंगटन स्थित आईएमएफ से 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर की बेहद आवश्यक धनराशि का इंतजार कर रहा है। मरियम ने सोमवार को यहां लाहौर के मॉडल टाउन इलाके में युवाओं और सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, '' आईएमएफ हम पर भरोसा करने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान आईएमएफ का बंधक है और वह देश के साथ एक उपनिवेश की तरह व्यवहार कर रहा है। हम इसके चंगुल से निकलने की कोशिश करें, तो भी नहीं कर पाते हैं।''

पाकिस्तान के दैनिक समाचारपत्र डॉन की एक खबर के मुताबिक, मरियम ने पिछले आईएमएफ समझौते का उल्लंघन करने के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान की कड़ी आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि इमरान खान की गलतियों की वजह से देश एक अरब रुपये की भीख मांग रहा है। मरियम (49) ने अपने पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सरकार और इमरान खान की सरकार की तुलना करते हुए कहा कि क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने की शुरुआत कर दी थी। उन्होंने, इमरान पर प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए उन्हें मिले उपहार बेच कर आर्थिक लाभ लेने और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को संकट में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इमरान खान को गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए। मरियम ने कहा, '' वह पार्टी कार्यकर्ताओं के पीछे क्यों छिप रहे हैं? वह फिर से प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। मैं पूछती हूं कि उन्होंने ऐसा क्या किया है कि उन्हें फिर से प्रधानमंत्री बनाया जाए। इमरान खान ने कुछ जनरलों और न्यायाधीशों का समर्थन हासिल करने की कोशिश की। अब वह सत्ता में वापसी करने के लिए न्यायपालिका पर भरोसा कर रहे हैं।'' इस बीच, नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का रवैया अपने प्रति नरम करने के लिए अमेरिका से मदद मांगने का फैसला किया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच कर्मचारी स्तर के समझौते पर अभी हस्ताक्षर नहीं हो पाए हैं। पाकिस्तान को आईएमएफ से 1.1 अरब डॉलर की किस्त भी अभी नहीं मिली है। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक कर्मचारी स्तर के समझौते पर आगे बढ़ने के लिए आईएमएफ को मनाने में विफल रहे पाकिस्तान के पास वाशिंगटन तथा अन्य पश्चिमी सहयोगियों से मदद मांगने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारी संकट में है। कुछ हफ्ते पहले उसका विदेशी मुद्रा भंडर 2.9 अरब डॉलर के बेहद निचले स्तर पर पहुंच गया

था। खबर के मुताबिक वित्त मंत्री इसहाक डार ने इस्लामाबाद में अमेरिकी राजनयिकों से संपर्क स्थापित किया है और अमेरिका के वित्त विभाग के हस्तक्षेप के जरिए गतिरोध को दूर करने में मदद देने का अनुरोध किया है।

इसमें कहा गया, ''अब आईएमएफ का कहना है कि बाहरी खाते पर 6-7 अरब डॉलर के वित्तपोषण अंतर को भरने के लिए पाकिस्तान अपने मित्र देशों और बहुपक्षीय लेनदारों से जून 2023 के अंत तक 200 प्रतिशत आश्वासन प्राप्त करे।'' मुद्राकोष ने पाकिस्तान से कहा है कि वह सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर तथा बहुपक्षीय ऋणदाताओं से छह से सात अरब डॉलर की बाहरी वित्तीय जरूरतों के लिए जून 2023 तक समर्थन प्राप्त करे ताकि वित्तीय अंतर को पाटा जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मास्क पहनें, स्वच्छ रहें और फ्लू का टीका लें

-एच3एन2 वायरस को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों की अपील

नई दिल्ली ।

मास्क का उपयोग, हाथ की स्वच्छता, साथ ही साल में एक बार फ्लू का टीका लगवाएं। यह सुझाव भारत में एच3एन2 वायरस को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने दिए है। भारत में एच3एन2 वायरस के कारण होने वाले इन्फ्लुएंजा के मामलों में तेजी देखी जा रही है। आईडीएसपी-आईएचआईपी (एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच) पर उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 9 मार्च तक राज्यों द्वारा एच3एन2 सहित इन्फ्लुएंजा के विभिन्न उपप्रकारों के कुल 3,038 मामलों की पुष्टि की गई है। इसमें जनवरी में 1,245 मामले, फरवरी में 1,307 और 9 मार्च तक 486 मामले शामिल हैं। मैक्स अस्पताल, गुरुग्राम में एसोसिएट कंसल्टेंट - इंटरनल मेडिसिन, डॉ सुनील सेकरी ने कहा, मेरी राय में सरकार कम से कम अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों जैसे सार्वजनिक परिवहन, अस्पतालों, हवाईअड्डों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक वाहनों में फिर से मास्क अनिवार्य कर सकती है। लोगों को भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए, घर में हों या बाहर, मास्क पहनना चाहिए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के नेशनल कोविड-19 टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष डॉ. राजीव जयदेवन ने कहा, श्वसन वायरस बूंदों के माध्यम से फैलता है, जिसका अर्थ है कि स्राव एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, और अधिकांश लोग किसी बिंदु पर अपनी नाक और मुंह को छूते हैं, या यह स्राव उंगलियों पर रह सकता है और जब वे अन्य लोगों से हाथ मिलाते हैं, विशेष रूप से भीड़भाड़ वाली इनडोर सभाओं में मास्क पहनने की जरूरत रहती है, क्योंकि संक्रमण फैलने की संभावना रहती है। इस बीच, चार महीने के बाद कोविड संक्रमण में भी उछाल दर्ज किया गया है, क्योंकि कोविड के 524 मामले सामने आए थे। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. ईश्वर गिलादा ने कहा, पिछले तीन वर्षों से हमने सीखा है कि श्वसन संक्रमण को कैसे रोका जा सकता है, क्योंकि संक्रमण बाहर जाते हैं और नाक व मुंह से अंदर आते हैं, आपको इस क्षेत्र को कवर करने की जरूरत होती है और वह है मास्किंग। खासकर भीड़-भाड़ वाली जगहों पर उचित मास्क की जरूरत होती है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 वायरस, स्वाइन फ्लू (एच1एन1), एच3एन2 और मौसमी विक्टोरिया और यामागाटा वंश के इन्फ्लुएंजा बी वायरस से लेकर परिसंचरण में श्वसन वायरस का संयोजन रहा है। एच3एन2 और एच1एन1 दोनों प्रकार के इन्फ्लुएंजा ई वायरस हैं, जिन्हें आमतौर पर फ्लू के रूप में जाना जाता है। कुछ सबसे आम लक्षणों में लंबे समय तक बुखार, खांसी, नाक बहना और शरीर में दर्द शामिल हैं। लेकिन गंभीर मामलों में लोगों को सांस फूलने और/या घरघराहट का भी अनुभव हो सकता है।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर मचा महाराष्ट्र में संग्राम

- 17 लाख कर्मचारी हड़ताल पर

मुंबई ।

पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने को लेकर महाराष्ट्र सरकार और सरकारी कर्मचारियों के बीच संग्राम की रणभेरी बज गई है। सरकारी स्कूलों, कॉलेजों के शिक्षकों के साथ 17 लाख से अधिक राज्य सरकार के कर्मचारी हड़ताल पर होंगे। मंगलवार से पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग पर हड़ताल पर चले जाएंगे। इस हड़ताल का सबसे ज्यादा असर परीक्षाओं पर पड़ने की संभावना है। स्कूलों और जूनियर कॉलेजों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी बुई अनिश्चितकालीन हड़ताल मैं भाग ले रहे हैं। जिसके कारण परीक्षा एवं मूल्यांकन ओर परिणाम प्रभावित होंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बातचीत के बाद सोमवार को बुधवार से हड़ताल पर जाने की पुष्टि की है। सरकार ने कर्मचारी संगठनों से कहा है,मांग का अध्ययन करने के लिए एक समिति का गठन करेंगे। कर्मचारी संघ के महासचिव विश्वास काटकर ने कहा संगठन आश्वासन नहीं चाहते हैं। हम एक नीति की घोषणा चाहते हैं। सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करे।

काटकर ने कहा इस हड़ताल में राज्य सरकार, जिला परिषदों, नगर परिषदों के कर्मचारी और राज्य सरकार के स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षक भी हड़ताल का हिस्सा होंगे। सोमवार को शिंदे और फडणवीस के साथ-साथ विधानसभा में विपक्ष के नेता अजीत पवार और विधान परिषद के नेता अंबादास दानवे ने भी कर्मचारी संगठनों के विभिन्न पदाधिकारियों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम का अध्ययन करने और रिपोर्ट देने के लिए अधिकारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की एक समिति गठित करेगी। उन्होंने कहा सरकार ओपीएस की मांग के खिलाफ नहीं है। सरकार इसका समाधान ढूंढ़ना चाहती है।उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने का फैसला वाले राज्यों ने अपना रोडमैप घोषित नहीं किया है। उन्होंने कहा 'सरकार पहले ही सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों के साथ कोई अन्याय न हो। इस पर भी विचार कर रही है।

संसद को सुचारू रूप से चलाने एक्टिव मोड में मोदी

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ नेताओं संग बैठक की

नई दिल्ली ।

संसद के बजट सत्र का दूसरे चरण चल रहा है और फिर दोनों सदनों में राहुल से माफी की मांग को लेकर हंगामा जारी है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी से लंदन में भारत की छवि खराब करने को लेकर माफी की मांग की तो कांग्रेस ने अदाणी मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की। लोकसभा और राज्यसभा, दोनों में राहुल से माफी की मांग की गई। इस बीच लोकसभा 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए आज वरिष्ठ नेताओं संग बैठक की। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पीयूष गोयल, नरेंद्र सिंह तोमर, किरेन रिजिजू, अनुराग ठाकुर और नितिन गडकरी सहित शीर्ष मंत्री इस बैठक में मौजूद रहे। दो भारतीय फिल्मों को ऑस्कर मिलने पर राज्यसभा में बधाई दी गई है। राज्यसभा में जया बच्चन सहित विभिन्न नेताओं ने कहा कि भारतीय फिल्म जगत का नाम इससे रोशन हुआ है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार खुद सदन नहीं चलाना चाहती। ऐसा नजारा कभी नहीं देखा कि सरकार के मंत्रियों ने सदन को ठप करने के लिए हंगामा किया हो। अधीर ने कहा कि राहुल गांधी आखिर माफी क्यों मांगेंगे? उन्होंने कोई गुनाह किया है? माफी तो सरकार के लोगों को मांगनी चाहिए।

आने वाले दिनों में देश के कई इलाकों में होगी बेमौसम बरसात

नई दिल्ली ।

देश के कई राज्यों में मार्च की शुरुआत में लोगों को बारिश देखने को मिली थी। इस बारिश ने बढ़ती गर्मी के बीच राहत जरूर दी। वहीं फिर देश के कई इलाकों में बेमौसम बरसात देखने को मिल सकती है। इस हफ्ते आने वाली बारिश लंबी हो सकती है। मध्य, पूर्व और दक्षिण भारत के हिस्सों में बरसात हो सकती है। वहीं उत्तरी मैदान की तरफ भी हल्की बूंदाबांदी देखी जा सकती है। निजी और सरकारी मौसम एजेंसियों ने बताया कि इस साल प्री-मॉनसून तय समय से पहले ही आ गया। इसकी वजह देश में तापमान का तेजी से बढ़ना है। अमूमन माना जाता है कि मार्च के दूसरे हाफ में प्री-मॉनसून दस्तक देता है लेकिन फरवरी में ज्यादा तापमान बढ़ने के चलते यह जल्दी आ गया। पूर्वी मध्य प्रदेश, तेलंगाना और उत्तर आंध्र प्रदेश में दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते भी मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। वहीं पश्चिमी हिमालय की ओर हो रहे वेस्टर्न डिस्टरबेंस को भी एक बड़ी वजह माना जा सकता है। अनुमान के अनुसार मध्य, पूर्व और दक्षिण भारत में 13 मार्च से 18 मार्च के बीच बारिश देखने को मिल सकती है। इसके अलावा महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में ओले पड़ने की भी संभावना है। वहीं दक्षिणी मध्य प्रदेश, विदर्भ और मराठवाड़ा, तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक में गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।

समलैंगिक विवाह का भारत में विरोध, कई देशों में है मान्यता

नई दिल्ली ।

समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने की मांग वाली करीब 15 याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को अपना जवाब दिया है। केंद्र सरकार ने सभी 15 याचिकाओं का विरोध किया। अपने हलफनामे में कहा कि समलैंगिक विवाह को मंजूरी नही दी जा सकती है क्योंकि यह एक भारतीय परिवार की अवधारणा के खिलाफ है। भारत में फैमिली का मतलब पति-पत्नी और उनसे पैदा हुए बच्चे हैं।समलैंगिक संबंधों को भारतीय परिवार इकाई की अवधारणा के साथ तुलना नहीं की जा सकती है। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा। ह्यूमन राइट अभियान के अनुसार, अमेरिका में स्थित 'एलजीबीटीक्यू वकालत समूह' दुनिया भर में कुल 32 देशों में समलैंगिक विवाह को मान्यता देता है।

हालांकि कानूनी रूप से समलैंगिक विवाह को केवल 10 देशों में अदालत के फैसले से मान्यता मिली है। यहां सेम मैरिज को कानून द्वारा पेश किया गया था और उस पर अदालत द्वारा लीगल की मुहर लगाई गई। तो आइए जानते हैं उन देशों को जहां समलैंगिक विवाह को अपराध नहीं माना जाता। 2003 में मैसाचुसेट्स समान-लिंग विवाह को वैध बनाने वाला संयुक्त राज्य अमेरिका का पहला राज्य बन गया था।2015 तक सभी 50 राज्यों में कानूनी वैधता मिल चुकी थी, लेकिन देश में सेम सेक्स मैरिज बिल को कानून का रूप देने का काम 2022 में हुआ है।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सेम सेक्स मैरिज बिल को कानून का रूप दे दिया है।उन्होंने इस बिल पर साइन कर समलैंगिक विवाह को मान्यता दे दी थी।इस दौरान बाइडेन ने कहा था कि अमेरिकी नागरिकों को इस पल का काफी लंबे समय से इंतजार था। 2017 में एक राष्ट्रव्यापी जनमत संग्रह के बाद, ऑस्ट्रेलिया की संसद ने समान लिंग-विवाह को मान्यता देने वाला कानून पारित किया था। जनमत संग्रह ने भारी समर्थन दिखाया - 62 प्रतिशत से 38प्रतिशत - कानून के पक्ष में।आयरलैंड और स्विट्जरलैंड में भी, एलजीबीटीक्यू विवाहों को भारी समर्थन मिला और लोकप्रिय वोटों से मैरिज को औपचारिक मान्यता प्रदान की गई। दक्षिण अफ्रीका 2006 में समलैंगिक विवाहों को वैध बनाने वाला पहला अफ्रीकी देश था।सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक फैसले के बाद पूर्व 'विषमलैंगिक-केवल विवाह' नीति को समान अधिकारों की गारंटी का उल्लंघन माना गया था। कनाडा में समान-सेक्स जोड़ों के विवाह को 1999 में मान्यता मिल गई थी, हालांकि यह कानूनी रूप से लीगल नहीं था।इस विषय पर कानूनी कार्रवाई 2003 में शुरू हुई, जिसने कनाडा के 13 प्रांतों और क्षेत्रों में से नौ में समलैंगिक विवाह को कानूनी बना दिया। इसे 2005 में कनाडा की संसद द्वारा औपचारिक रूप से मान्यता दी गई, जिसके बाद यह कानून पारित किया गया और पूरे देश में इसे कानूनी मान्यता मिल गई। 2019 में ताइवान समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाला पहला एशियाई देश बन गया था।2017 में एक अदालत के फैसले के बाद कानून लाया गया था।

अखंड रामायण पाठ करवाएगी यूपी सरकार

-हर जिले को मिलेंगे 1-1 लाख रुपये

लखनऊ ।

उत्तरप्रदेश में नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती और रामनवमी पर देवी मंदिरों, शक्तिपीठों में दुर्गा सप्तशती पाठ देवी गायक देवी जागरण, झांकियां अखंड रामायण का पाठ का आयोजन होगा। उत्तरप्रदेश के जिला तहसील और ब्लॉक स्तर पर देवी आयोजन समितियां गठित की जाएगी। योगी सरकार सांस्कृतिक आयोजनों के लिए हर जिले को एक-एक लाख रुपये कराएगी मुहैया। यूपी के सभी डीएम को देवी मंदिर और शक्ति पीठों में कलाकार चयन और समितियां बनाने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, ज़िला, तहसील और ब्लॉक स्तर पर अखंड पाठ के आयोजन होंगे। इन आयोजनों में महिलाओं की सहभागिता को लेकर खास तवज्जो दी जाएगी। योगी सरकार ने जिले के अधिकारियों को 21 मार्च तक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं।आदेशों में कहा गया है कि जिले के जिन मंदिरों में ये सरकारी आयोजन होंगे, उनका नाम पता और दूसरी अन्य जानकारी जिला प्रशासन जुटाएगा और पूरा विवरण लेने के बाद कार्यक्रम करवाए जाएंगे। इसके अलावा, जिला प्रशासन को आयोजन से जुड़ी तस्वीरें और अन्य जानकारी भी फोटो और वीडियो के साथ संस्कृति विभाग की वेबसाइट पर डालनी होगी।राज्य स्तर पर पूरे मसले पर दो नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। इन पर कार्यक्रमों के सफलता पूर्वक आयोजन का जिम्मा रहेगा। सरकार ने डीएम से कहा है कि वह आयोजनों के लिए तहसील और जिला स्तर पर कमेटी बनाएं। डीएम इस कमेटी के अध्यक्ष होंगे।बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक गतिविधियों में कलाकार पेशकश देंगे।इस के लिए जो भी खर्च आएगा, उसका भुगतान सरकार करेगी और इसलिए विभाग ने एक-एक लाख रुपये का प्रावधान किया है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस को जोड़ेगा 1000 करोड़ का सी ब्रिज

मुंबई।

मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक(एमटीएचएल), जो कि भारत का सबसे बड़ा समुद्री ब्रिज है. उससे मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से एक एलिवेटेड कॉरिडोर के जरिए जोड़ा जाएगा. यह जानकारी मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) के अधिकारियों ने दी है. मुंबई के इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए एमएमआरडीए ने टेंडर मंगाए हैं. इस एलिवेटेड रोड की कीमत 1000 करोड़ रुपये है. इस लिंक के कई सड़कों पर ट्रैफिक कम होने की उम्मीद है, इस सी ब्रिज से मुंबई, नवी मुंबई, लोनावाला, पुणे और कई अन्य जगह से आने-जाने वाले हजारों यात्रियों को मदद मिलेगी. एमएमआरडीए के अधिकारियों ने कहा कि इस कॉरिडोर के बनने लोनावाला, खंडाला और मुंबई के बीच यात्रा के समय में 90 मिनट की बचत होगी. इसका चिर्लें में एक इंटरचेंज होगा. मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक का निर्माण पूरा होने वाला है और इसके साल 2023 के अंत तक खुलने की उम्मीद है. लंबे समय से लंबित 21.8 किमी मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक शिवरी को मुंबई और रायगढ़ को न्हावा शेवा को जोड़ता है. ये 6 लेन का फ्री वे ग्रेड ब्रिज है. इसकी 21.8 किमी में से 16.5 किमी की दूरी समुद्र के माध्यम से है. जबकि 5.5 किमी की दूरी जमीन पर है. इसका निर्माण पूरा हो जाने के बाद ये भारत का सबसे लंबा समुद्री ब्रिज होगा और इससे प्रतिदन 7000 वाहन गुजरेंगे. इस बीच मुंबई महानगरपालिका ईस्टर्न फ्रीवे को ग्रांट रोड से जोड़ने के लिए एक और एलिवेटेड रोड को जोड़ने का काम करेगा. एक अनुमान के मुताबिक इसमें 700 करोड़ रुपये का खर्च आएगा. ये एलिवेटेड रोड ईस्टर्न फ्रीवे (ऑरेंज गेट) को जे राठौड़ रोड, हैनकॉक ब्रिज, रामचंद्र भट्ट मार्ग (जेजे फ्लाईओवर के ऊपर) और मौलाना शौकत अली रोड से गुजरते हुए फ्रेरे ब्रिज ईस्ट से जोड़ेगी.

बंगाल मे एडेनोवायरस से 4 बच्चों ने तोड़ा दम, ढाई माह में 147 की मौत

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल में एडेनोवायरस से कोलकाता के एक अस्पताल से रविवार रात ओर सोमवार के दोपहर तक चार बच्चों के मौत की सूचना मिली है। अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है।

बीसी। रॉय चिल्ड्रन हॉस्पिटल में हुई चार मौतें एडेनोवायरस से होना बताई जा रही है। चारों बच्चों को खांसी, सर्दी और सांस लेने में गंभीर लक्षणों के साथ भर्ती कराया गया था। पिछले सप्ताह , मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मीडियाकर्मियों को बताया कि एडेनोवायरस से संबंधित कुल 19 बच्चों के मौत की जानकारी दी थी। जिनमें छह बच्चों की मौत के वायरस से मौत होने की पुष्टि हुई थी। राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा 11 मार्च को जारी अधिसूचना में भी यही आंकड़ा बताया था। उसके बाद बच्चों की मौत का कोई आंकड़ा अपडेट नहीं किया गया है।

अस्पताल सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनवरी की शुरुआत से अभी तक 147 मौतों की जानकारी दी गई है। वायरस से संक्रमित बच्चों को भर्ती करने का दबाव बी.सी. रॉय चिल्ड्रन हॉस्पिटल में सबसे ज्यादा रहता है। सबसे ज्यादा बच्चों की मौत की रिपोर्ट कलकत्ता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से मिली है।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च,नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हैजा एंड एंटरिक डिजीज के सर्वेक्षण से उजागर हुआ है, कि 1 जनवरी से मार्च तक पूरे देश में 38 प्रतिशत स्वैब के सैंपल एडेनोवायरस पॉजिटिव पाए गए हैं। पश्चिम बंगाल से अभी तक 9 की सूचना मिली है। जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। तमिलनाडु 19 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल मे 13 दिल्ली मे 11 प्रतिशत और महाराष्ट्र 5 प्रतिशत के साथ, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर है।

एडेनोवायरस के सामान्य लक्षण मे फ्लू,सर्दी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश, निमोनिया और तीव्र ब्रोंकाइटिस जैसे लक्षण पाए जाते हैं। दो साल और उससे कम उम्र के बच्चे इस वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

यह वायरस त्वचा के संपर्क से, हवा से खांसने और छींकने से और संक्रमित व्यक्ति के मल के माध्यम से फैलने की संभावनाएं जताई जा रही है। इस वायरस के इलाज के लिए कोई स्वीकृत दवा या कोई विशिष्ट उपचार अभी तक नहीं मिला है।

संक्षिप्त समाचार

रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

वाराणसी । कांग्रेस के नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ वाराणसी कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। कांग्रेस के 14 नेताओं के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं। विशेष न्यायाधीश अवनीश गौतम की अदालत में, सोमवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए गैर जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी। बहुचर्चित संवासिनी कांड में कांग्रेस नेताओं को आरोपी बनाए जाने के विरोध में 21 अगस्त 2000 को भारतीय युवा कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष रणदीप सिंह सुरजेवाला और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आयुक्त कार्यालय परिसर मेंप्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान आयुक्त कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ और हंगामा करने के आरोप में पुलिस ने मौके से सुरजेवाला सहीत कई नेताओं को गिरफ्तार किया था। इसी मामले मे सोमवार को आरोप तय किए जाने थे। सुरजेवाला की ओर से संसद की कार्यवाही का हवाला देते हुए अन्य तारीख देनेआवेदन प्रस्तुत किया गया था। अदालत ने उनके प्रार्थना पत्र को निरस्त करते हुए, विशेष न्यायाधीश अवनीश गौतम की अदालत ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया।

पश्चिम बंगाल में रोजाना भर्ती हो रहे 600 से ज्यादा एक्यूट रेस्पिरेटरी के मरीज

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में पिछले ढाई महीने में तीव्र श्वसन (एक्यूट रेस्पिरेटरी) संक्रमण के कुल 12,343 मामले सामने आए हैं। इनमें से अधिकतर मामले बच्चों में पाए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक 19 लोगों की इस संक्रमण से मौत हुई है, जिनमें से 13 लोग पहले से गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे। अे धिकारी ने कहा संक्रमण से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में कम हुई है और अस्पतालों में प्रतिदिन इसके 800 मरीज की जगह अब हर दिन 600 मरीज भर्ती हो रहे हैं। राज्य के मुख्य सचिव एचके द्विवेदी की अध्यक्षता में एआरआई पर गठित एक उच्च स्तरीय कार्य बल ने बैठक की और फैसला किया कि निजी अस्पतालों में काम करने वाले चिकित्सकों और निजी चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिशियन अपने सदस्यों को इसको लेकर सतर्क करेंगे। उन्होंने कहा कि लक्षणों की शुरुआती पहचान के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सामान्य जानकारी और परामर्श दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि आशा कार्यकर्ताओं का घर-घर जाकर जागरूकता फैलाने का अभियान भी तेज किया जाएगा।

उपासना स्थल को घर में बदलना और कब्जे का दावा करना कानूनन गलत

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा सार्वजनिक उपासना स्थलों पर वहां के मौलवी पादरी इमाम पंडितों व सेवाकारों का कब्जा करना उसमें परिवार के साथ रहना और उसके निजी संपत्ति होने का दावा करना कानूनन गलत है। हाईकोर्ट ने कहा यह प्रथा चिंताजनक है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी दिल्ली के इंडिया गेट के पास मान सिंह रोड पर मस्जिद जाब्ता गंज के बगल में स्थित एक प्रमुख संपत्ति पर दावे को खारिज करते हुए की। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने कहा कुछ मामलों में अदालत ने देखा है कि कुछ उपासना स्थलों को आवंटित भूमि से आगे बढ़ाकर व्यावसायिक संपत्ति में परिवर्तित कर दिया जाता है। उस जगह के लिए अवैध और अनधिकृत तरीके से किराया/पट्टे की राशि वसूलने की भी मांग की जाती है। वर्तमान मामले को ही देख लें यह स्पष्ट नहीं है कि किस आधार पर याचिकाकर्ता ने 'श्रमिकों' के रूप में वर्णित इतने सारे व्यक्तियों को संपत्ति में शामिल किया और वे कई वर्षों तक संपत्ति पर कब्जा बनाए रहे। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को अनधिकृत कब्जाधारी बताते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा याचिकाकर्ता ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर अवैध कब्जा किया है।

दिल्ली में एच3एन2 के साथ बढ़े कोरोना के मामले संक्रमण दर तीन फीसदी के पार

नई दिल्ली । दिल्ली में एच3एन2 के मामले बढ़ने के साथ कोरोना के केस फिर से बढ़ने लगे है। सोमवार को इस साल में पहली बार 10 से अधिक मामले सामने आए। संक्रमण दर भी तीन फीसदी से अधिक रही। डॉक्टरों की मानें तो अभी घबराने की जरूरत नहीं है। एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस मजबूत हुआ है जिसके लक्षण कोरोना की तरह ही हैं। हालांकि यह ज्यादा प्रभावी नहीं है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक सोमवार को कोरोना के 13 नए मामले सामने आए। यह आंकड़ा इस साल में सबसे अधिक है। इससे पहले 29 दिसंबर को 11 मामले सामने आए थे। रविवार को दिल्ली में 401 लोगों की कोरोना जांच हुई जिसमें 3.24 फीसदी लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। वहीं 14 मरीजों को छुट्टी दी गई। राहत की बात है कि किसी मरीज की कोरोना के कारण कोई मौत नहीं हुई। दिल्ली में कोरोना के 38 सक्रिय मरीज हैं। इनमें से 20 मरीज घरों में जबकि पांच मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। इन पांच मरीजों में से दो मरीज आईसीयू पर जबकि एक ऑक्सीजन सपोर्ट पर है।

राम रहीम का ऐलान, चुनाव में किस पार्टी का समर्थन नहीं करेगा डेरा सच्चा सौदा

चंडीगढ़ । डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम ने राजनीति से दूर होने की घोषणा की है। राम रहीम ने अपने डेरे के पॉलिटिकल विंग को भंग कर अपने अनुयायियों से कहा है कि अब डेरे का कोई राजनीतिक विंग नहीं होगा। इससे पहले पॉलिटिकल विंग फैसला करता था कि चुनाव में किस पार्टी का समर्थन करना है। डेरा सच्चा सौदा के पॉलिटिकल विंग का गठन वर्ष 2007 में हुए पंजाब विधानसभा चुनाव से एक साल पहले किया गया था। राम रहीम को 2017 में पहली बार सजा होने के बाद पिछले कुछ चुनाव में डेरा बीजेपी का समर्थन करता रहा है। लेकिन डेरा कभी खुलकर समर्थन नहीं करता है और मतदान से 24 घंटे पहले अपने अनुयायियों को संदेश पहुंचाता रहा है। अब 2024 के लोकसभा चुनाव से 9 महीने पहले डेरा प्रमुख राम रहीम ने पॉलिटिकल विंग भंग करने का फैसला लिया है। सूत्रों की मानें तब राम रहीम चाहता हैं कि डेरा अब समाजसेवा से जुड़े कामों पर ध्यान दे। राम रहीम के जेल से पैरोल पर बाहर आने को लेकर सियासी पार्टियां बीजेपी पर हमले करती रहती हैं। इसी तरह के विवाद से बचने के लिए राम रहीम ने पॉलिटिकल विंग भंग किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तिलक, फूल और पेन से किया विद्यार्थियों का स्वागत

परीक्षा खंड में परीक्षार्थियों तो बाहर अभिभावकों का इम्तिहान शुरू

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राज्यभर में मंगलवार से गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (जीएसईबी) GSEB EXAM की परीक्षा का आगाज हो गया। परीक्षा खंड में परीक्षार्थियों तो बाहर अभिभावकों का इम्तिहान शुरू हो गया है। 10वीं और 12वीं दोनों के पहले पेपर में सूरत जिले से 1,38,722 विद्यार्थी उपस्थित रहे, तो 1,419 विद्यार्थियों ने परीक्षा नहीं दी। पहले दिन सूरत जिले में नकल का एक भी मामला प्रकाश में नहीं आया।

- अभिभावक परीक्षा केंद्रों के बाहर :गुजरात बोर्ड GSEB EXAM की मंगलवार से शुरू हुई परीक्षा में विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों में उत्साह नजर आया। परीक्षार्थी बिना तनाव परीक्षा दे सके इसलिए सभी परीक्षा केंद्रों पर तिलक, फुल और पेन से उनका स्वागत किया गया। कई परीक्षा केंद्रों पर पुलिसकर्मियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

10 बजे 10वीं के पेपर के साथ बोर्ड परीक्षा का आगाज हुआ।

परीक्षार्थी का जैसे 10 बजे परीक्षा खंड में पेपर शुरू हुआ, वैसे बड़ी संख्या में अभिभावक परीक्षा केंद्रों के बाहर टहलते नजर आए। जब तक विद्यार्थी परीक्षा देकर बाहर नहीं आए तब तक कई अभिभावक परीक्षा केंद्रों के बाहर ही उनका इंतजार करते रहे।

यही नजारा दोपहर को 12वीं के पेपर में भी दिखाई दिया। 10वीं की परीक्षा भाषा के पेपर तो 12वीं सामान्य की एकाउंट और विज्ञान की भौतिक विज्ञान पेपर के साथ शुरू हुई।

- पहले दिन परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या :

सूरत जिले से GSEB EXAM 10वीं भाषा के पेपर के लिए कुल 80,894 विद्यार्थी पंजीकृत हुए थे, इनमें से 80,070 ने परीक्षा दी और 824 अनुपस्थित रहे। 12वीं सामान्य वर्ग की परीक्षा में 42.691 पंजीकृत हुए थे, इनमें से 42,389 उपस्थित रहे और 302 अनुपस्थित रहे। विज्ञान वर्ग की परीक्षा के लिए 16,574 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 16,389 उपस्थित रहे और 302 अनुपस्थित रहे।

सूरत 10वीं का पेपर आसान था, 12वीं में फिजिक्स और एकाउंट्स में वार्षिक रिपोर्ट कठिन था

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 10-12 की बोर्ड परीक्षा मंगलवार यानी 14 मार्च से शुरू हो गई है। 10वीं की परीक्षा सुबह 10 बजे शुरू हुई जिसमें मुख्य भाषा का पेपर था। उसके बाद कक्षा 12 की परीक्षा दोपहर 3 बजे शुरू हुई जिसमें साइंस स्ट्रीम का पहला पेपर भौतिक विज्ञान और कोमर्स में एकाऊन्ट का पेपर था। पहला पेपर×ठ्ठह्वश्च; शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

गुजराती माध्यम के छात्रों का आज गुजराती का पेपर था और अंग्रेजी माध्यम के छात्रों का आज अंग्रेजी का पेपर था। पहला पेपर आसान होने से छात्र खुश हैं। छात्रों के मुताबिक पेपर काफी आसान था। साथ ही पूरा पेपर टेक्स्ट बुक और सिलेबस से ही आया था। राज्य में कक्षा 10-12 में कुल 17 लाख से अधिक छात्र परीक्षा देने के लिए परीक्षा केंद्र पहुंचे थे। परीक्षा को लेकर अभिभावकों व विद्यार्थियों में उत्साह देखा गया। साथ ही व्यवस्था भी सतर्क हो गई है।

सूरत में ट्रैफिक में फंसे छात्रों को पुलिस ने स्कूल तक पहुंचाया गया। छात्र जल्द से जल्द परीक्षा केंद्र पहुंचे इसके लिए पुलिस भी अलर्ट मोड पर है। इसके साथ ही परीक्षा केंद्र पर भी सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए थे। परीक्षा के पहले दिन छात्रों के हाथों और माथे पर गुलाब का फूल दिया गया और छात्रों को शरबत पिलाया गया ताकि छात्र-छात्राएं बिना डरे अपनी परीक्षा संपन्न करा सकें।

मंगलवार दोपहर 3 बजे कक्षा 12 विज्ञान और वाणिज्य का पहला पेपर था। कक्षा 12 वाणिज्य का आज अकाउंट का पेपर था जबकि विज्ञान 12 में भौतिकी का पेपर था। छात्रों के लिए कुल मिलाकर कक्षा 12 वाणिज्य का पेपर आसान था जबकि कक्षा 12 विज्ञान का पेपर छात्रों के लिए कठिन था। स्कूल के टॉपर्स को भी भौतिकी का पेपर ×ठ्ठह्वश्च;मुश्किल लग रहा था सेंटर से बाहर निकल रहे छात्रों के चेहरों पर मायूसी साफ नजर आ रही थी।

कक्षा 12 विज्ञान के छात्रो ने कहा कि तैयारी बहुत अच्छी थी लेकिन पेपर में 7-8 अंकों के ट्विस्ट एमसीक्यू के साथ पूछा गया था जबकि सेक्शन बी 2 अंक के प्रश्न थोड़े कठिन थे। मेरे 60-70 अंक आ सकते हैं। दुसरे एक छात्र ने कहा कि वह पेपर देखकर थोड़ा डर गया था लेकिन पहले जो कर सकता था उसने लिखा। पेपर कठिन होने के कारण लगभग 50 अंक ही आएंगे।

12वीं के कॉमर्स अकाउंट के पेपर के बारे में विशेषज्ञ शिक्षक ने कहा कि पेपर थोड़ा टफ था। टेक्स्ट बुक बेस्ड पेपर पूछा गया था। मेधावी छात्र को पूरे अंक लाने के लिए थोड़ी मेहनत करनी पड़ी। दुसरे एक शिक्षक ने बताया कि हिसाब किताब का पेपर लंबा था और छात्र अंत तक लिख रहे थे। वार्षिक रिपोर्ट में 2 प्रश्न एकत्र किए गए थे। 11 अंकों की वार्षिक रिपोर्ट में छात्र भ्रमित थे। बाकी पेपर पाठ्यपुस्तक के थे और आसान था।

आज प्रदेश के 1 हजार 623 केंद्रों पर 10वीं और 12वीं के कुल 16.49 लाख छात्र परीक्षा देने पहुंचे हैं। जिसमें 10वीं बोर्ड में 9,56,753, 12वीं सामान्य स्ट्रीम में 5,65,-528, 12वीं साइंस स्ट्रीम में 1,26,896, संस्कृत प्रथम में 644 आदि शामिल हैं।

बेसिक स्ट्रीम में 4,305, वोकेशनल स्ट्रीम में 793 जबकि संस्कृत माध्यम में 736 छात्रों का नामांकन हुआ है। इसके साथ ही 10वीं के 101 छात्र जेल से परीक्षा देंगे, जबकि 12वीं के 56 छात्र जेल से परीक्षा देंगे। परीक्षा केंद्रों पर 56 मेडिकल टीमें तैनात की गई हैं। छात्रों के लिए परीक्षा केंद्र पर मेडिकल टीम भी तैनात की गई है।

परीक्षा केंद्र पर करीब 26 मेडिकल टीमों को तैनात किया गया है। संवेदनशील 66 सेंटअप पर अर्धसैनिक बलों को भी तैनात किया गया है। परीक्षा केंद्र पर किसी तरह की गड़बड़ी न हो इसके लिए फुलपुफ्र इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा केंद्र सीसीटीवी से लैस हैं। परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी से लगातार नजर रखी जाएगी, जिसके लिए विशेष कमेटी का गठन किया गया है।

महिलाओं के लिए सूरत में हैं अवसर : मनपा आयुक्त

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. सूरत महानगर पालिका आयुक्त शालिनी अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं के आगे बढ़ने के लिए सूरत में अवसरों की कमी नहीं है। नई दिल्ली में आयोजित नेशनल यूथ कॉन्क्लेव में बोलते हुए उन्होंने सूरत की उपलब्धियों और अवसरों का खाका भी सामने रखा।

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय की ओर से नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में नेशनल यूथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है।

13 मार्च से शुरू हुए दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन चर्क्रिएटिंग इक्वल फ्यूचर्स इन एन इक्वल वर्ल्ड्ज सत्र में सूरत मनपा आयुक्त एवं सूरत स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड की चेयरमैन शालिनी अग्रवाल को अपनी बात रखने का अवसर मिला। अधिवेशन में पैनलिस्ट और प्रतिभागियों के समक्ष उन्होंने सूरत की उपलब्धियों को सामने रखा। साथ ही आगे बढ़ने के लिए अवसरों की बात भी कही।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी महिलाओं के साथ ही प्रौद्योगिकी, नवाचार, ज्ञान और कौशल की सदी है। सूरत मनपा ने आर्थिक विकास और कौशल विकास के क्षेत्र में युवा महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पहल की है। हीरा और वस्त्र नगरी में महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर उद्योग में काम करने के लिए तैयार किया है। साथ ही सूरत मनपा प्रशासन समय-समय पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर कामकाजी महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देता है।

भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 के बजट में महिला उत्थान के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से करीब 3 लाख महिलाओं की जांच कर स्तन कैंसर, मुंह के कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे। सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए शी-शौचालय, स्टेशनों, गार्डन समेत अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान कक्षों का निर्माण कराया जाएगा। कुपोषण को लेकर भी बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं।

इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के राज्यमंत्री कौशल कुमार ने किया।

इस अवसर पर मंत्रालय के संयुक्त सचिव एवं स्मार्ट सिटी मिशन के मिशन निदेशक कुणाल कुमार, हितेश वैद्य, अनमोल सोवित समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे। शाम के सत्र में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के केबिनेट मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी भाग लिया।

मां जिसे आईस्क्रीम देने गई वह पांच साल की पुत्री से कर रहा था अश्लील हरकतें!

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. पुणागाम में एक युवक ने पांच साल की बच्ची के साथ बलात्कार का प्रयास किया। वह उसे अपने घर की छत पर ले गया लेकिन उसी समय बच्ची की मां छत पर पहुंच गई और बच्ची को बचा लिया। बच्ची की मां की शिकायत पर पुणागाम पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना गुरुवार रात को हुई।

पीड़ित बच्ची अक्सर खेलने के लिए सुजीत के घर जाती थी। रात करीब नौ बजे बच्ची खेलने के लिए सुजीत के घर खेलने गई। सुजीत उसे मोबाइल पर कार्टून दिखाते हुए घर की छत पर ले गया। उधर बच्ची के घर मेहमान आने पर उसके पिता आईस्क्रीम लेकर आए थे।

बच्ची की मां सुजीत को आईस्क्रीम देने के लिए उसके घर गई। उसे घर में नहीं देख वह छत पर गई। छत पर सुजीत कंबल ओढ़ कर बच्ची के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। यह देख उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। वह बच्ची को लेकर घर लौटी।

उस समय घर पर मेहमान थे, इसलिए उसने कुछ नहीं कहा। उनके जाने के बाद इस बारे में पति को बताया।

शुक्रवार को उन्होंने बच्ची से इस बारे में पूछताछ की। बच्ची ने रोते हुए सुजीत की अश्लील हरकतों के बारे में बताया।

शाम को उन्होंने पुणागाम थाने में सुजीत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई। पुणागाम पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी सुजीत को गिरफ्तार कर लिया।

सुजीत ने किया छेड़छाड़ से इनकार पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में 23 वर्षीय आरोपी सुजीत ने बच्ची के साथ शारीरिक छेड़छाड़ से इनकार किया है। सुजीत ने बताया कि पीड़ित परिवार के साथ उसके घरेलू संबंध थे। बच्ची प्रतिदिन उनके घर पर खेलने के लिए आती थी। वह भी उनके घर आता जाता था। बच्ची से अंकल कहती थी। वह उसके साथ खेलता था।

झमोबाइल पर उसे कार्टून दिखाता था। घटना के वक्त भी बच्ची को कार्टून दिखा कर उसके साथ मस्ती कर रहा था। बच्ची की मां को गलत फहमी हुई है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी सुजीत भावनगर जिले के सिहोर का मूल निवासी है तथा बैंक में काम करता है। उसकी कोई आपराधिक पृष्ठ भूमि सामने नहीं आई है।

सूरत एयरपोर्ट से बुर्का पहने दो विदेशी महिलाओं को एक किलो सोने के जेवरों के साथ पकड़ा गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत एयरपोर्ट पर शारजाह के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने के बाद समय-समय पर तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। सीमा शुल्क विभाग से बचने के लिए शारजाह से सूरत तक सोने की तस्करी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। शारजाह से बुर्का पहनने वाली दो महिलाओं को एक किलो सोने के साथ पकड़ा गया।

सूरत एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने से उद्योग जगत को तो बड़ी राहत मिली है, लेकिन साथ ही पैसे कमाने के लालच में तस्करी की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। सूरत से शारजाह जा रही फ्लाइट में दो महिलाओं को सीमा शुल्क विभाग ने उठा लिया। लाखों रुपये के सोने की सूरत में तस्करी करने की उनकी कोशिश को सीमा शुल्क विभाग ने नाकाम कर दिया।

पता चला है कि गिरफ्तार दोनों महिलाएं मूल रूप से सूडान की रहने वाली हैं। महिलाओं के सोने के जेवरात के साथ पकड़े जाने के बाद जब अधिकारियों ने पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वे खुद कपड़ा खरीदने सूरत आई थीं।

हालांकि सीमा शुल्क विभाग द्वारा गहन जांच के बाद पता चला है कि रुपये कमाने के लिए सोने को शारजाह से सूरत तस्करी कर लाया गया था।

शारजाह की फ्लाइट से सूरत में सोने की तस्करी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। सूरत में सोना लाने के लिए तस्कर तरह-तरह के हथकंडे अपनाते हैं। कुछ दिन पहले सूरत के एयरपोर्ट से सोना जब्त किया गया था। ऐसे तस्करों को पकड़ने के लिए सीमा शुल्क विभाग काफी सतर्कता से काम कर रहा है। फिलहाल कस्टम विभाग ने दोनों महिलाओं के पास से जब्त सोना जब्त कर लिया है और दोनों विदेशी महिलाओं से पूछताछ शुरू कर दी है।

सूरत की पहली महिला आर्मी कैप्टन मीरा दवे ने रामकृष्ण कॉलेज में छात्रों को संबोधित किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भारत में समाज के विकास में महिलाओं की भागीदारी अनादिकाल से रही है। भारतीय समाज हमेशा महिलाओं के प्रति निष्पक्ष रहा है। भारत में अर्धनारीश्वर का विचार सभ्यता के प्रारंभ से ही विद्यमान है। समय के साथ महिलाओं की भूमिकाएं भी बदल रही हैं। मैं खुद फौज में रही हूं। मेरा ही उदाहरण है। वर्तमान में भारतीय सेना में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। यह बात सूरत की पहली महिला सेना कप्तान मीरा सिद्धार्थ दवे ने श्री रामकृष्ण कोलेज के कार्यक्रम में कही.

उन्होंने बताया कि महिलाओं को खुद अपनी भूमिका निर्धारित करनी होगी और समाज के विकास में योगदान देना होगा। उन्होंने छात्राओं को सेना में अपनी सेवा के दौरान की यात्रा को ओडियो विज्युअल के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिसने छात्राओं को काफी प्रभावित किया।

वह श्री रामकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एजुकेशन एंड एप्लाइड साइंस (एसआरकेआई) के महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित च्च्महिलाओं के नेतृत्व में समान तथा न्यायी समाज का विकासज्ज विषय पर एक प्रेरक संगोष्ठी में बोल रही थीं। यह प्लानिंग केंद्र सरकार के जी-20 प्रोग्राम के तहत की गई थी। कॉलेज की आचार्य डॉ. चौलामी देसाई ने कैप्टन मीरा दवे कोतुलसी का पौधा देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन महिला विकास प्रकोष्ठ की समन्वयक डो. बिनीता देसाई, डॉ. रूपल स्नेहकुंज और डॉ. संगीता सनाढ्य ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे और उन्होंने संबोधन का लाभ लिया।

मीरा सिद्धार्थ दवे मूलत: वलसाड की रहने वाली हैं और इस क्षेत्र की पहली महिला कप्तान थीं। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद अब वह विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों में छात्रों को प्रेरित कर रही हैं।